संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -125 बुधवार, 06 मार्च 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रुपये

डीयू के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा को किया गया बरी

उम्रकैद की सजा से मिली मुक्ति

नागपुर,05 मार्च 2024 (ए)। माओवादी लिंक मामले में हाई कोर्ट ने आज अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस विनय जोशी और वाल्मिकी एसए मेनेजेस ने इस मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए डीयू के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा को बरी कर दिया है। इसी के साथ ही उनकी उम्रकैद की सजा को भी रद्द कर दिया गया है। आज बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत माओवादी समूहों के साथ संबंध का आरोप लगाने वाले एक मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा और पांच अन्य की सजा को पलट दिया है।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह किडनैपिंग और रंगदारी केस में दोषी करार

जौनपुर,05 मार्च 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव से पहले पूर्व सांसद धनंजय सिंह को बड़ा झटका लगा है। बाहुबली धनंजय सिंह की चुनाव लड़ने की उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। अपहरण और रंगदारी मामले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह और संतोष विक्रम दोषी करार दिए गए हैं। अपर सत्र न्यायाधीश शरद त्रिपाठी की अदालत ने धनंजय सिंह को दोषी करार दिया। दोषी करार होते ही धनंजय सिंह को जेल भेज दिया गया। सजा के मामले पर सुनवाई बुधवार को होगी।

इंडिया के बीच सीट बंटवारा फाइनल

» पश्चिम बंगाल पर फैसला नहीं हुआ

» जम्मू-कश्मीर में पीडीपी गठबंधन से अलग हुई

नई दिल्ली,05 मार्च 2024 (ए)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार 5 मार्च को कहा कि कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक के अन्य सभी दलों के साथ अपने सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है। हालांकि पश्चिम बंगाल को लेकर कोई फैसला नहीं हो पाया। ममता बनर्जी ने यहां गठबंधन से अलग चुनाव लड़ने की घोषणा की है।मध्य प्रदेश के शाजापुर में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बीच मंगलवार को जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। हालांकि किस राज्य में कौन सी पार्टी कितने सीटों पर चुनाव लड़ेगी रमेश ने इसकी जानकारी नहीं दी।

उधर, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता नसीर आलम ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में इंडिया ब्लॉक के बीच सीट शेयरिंग पर मुहर लग गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर की 3 लोकसभा सीटों पर लड़ेगी, जबकि कांग्रेस जम्मू, उधमपुर और लद्दाख सीट से अपने कैंडिडेट उतारेगी। महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी राज्य में अकेले चुनाव लड़ेगी।

ममता बनर्जी को मनाने की कवायद जारी

यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संपर्क में है? जयराम रमेश ने कहा- उन्हें उम्मीद है कि कोई बीच का रास्ता निकाला जाएगा और वे पूरी कोशिश कर रहे हैं। ममता बनर्जी गठबंधन का हिस्सा हैं। वे पटना, मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली की बैठकों में शामिल हुई थीं। उनकी प्राथमिकता बीजेपी को हराना और भारत को मजबूत करना है। जल्द ही कोई बीच का रास्ता निकाला जाएगा।

नीतीश कुमार का इतिहास पलटी मारने का रहा है

जयराम रमेश ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा- नीतीश कुमार पलटी मारने में माहिर हैं। गठबंधन में कुल 28 दल थे, लेकिन इनमें से एक पार्टी नेता (बिहार के सीएम नीतीश कुमार) ने पाला बदल लिया। उनका इतिहास पलटी मारने का रहा है। वह पलटी में माहिर हैं। 28 में से 27 पार्टियां बचीं और बाद में एक और पार्टी इंडिया ब्लॉक छोड़कर एनडीए में शामिल हो गई। इस तरह हम 26 हो गए, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि 26 पार्टियां मजबूत पार्टियां हैं।

इंडिया से दो आई निकाल दो तब बनता है एनडीए

लोकसभा चुनाव करीब है और इंडिया गठबंधन कहां खड़ा है? इस सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा- गठबंधन की शुरुआत पिछले साल 23 जून को पटना में हुई थी। उसके बाद दूसरी बैठक 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में हुई थी। गठबंधन की तीसरी बैठक 31 अगस्त और 1 सितंबर को मुंबई में हुई थी और चौथी बैठक पिछले साल 19 दिसंबर को दिल्ली में हुई थी।जयराम रमेश ने कहा- हमारे गठबंधन में कुल 28 दल थे। इसके बनने के बाद अचानक प्रधानमंत्री ने मृत पड़े एनडीए गठबंधन को पुनर्जीवित करने की कोशिश की। हमारा गठबंधन बना तो एनडीए की बात शुरू हो गई थी। एनडीए कहां से आता है? इंडिया से दो आई ईमानदारी और इंसानियत निकाल दो तो एनडीए बन जाता है।

हाईकोर्ट से ममता सरकार को लगा तगड़ा झटका

शाहजहां शेख और केस को सीबीआई को सौंपने का आदेश

कोलकाता,05 मार्च 2024 (ए)। संदेशखाली मामले पर ममता बनर्जी सरकार को बड़ा झटका लगा है। कोलकाता हाई कोर्ट ने टीएमसी नेता शाहजहां शेख और केस दोनों को आज ही सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया है। संदेशखाली में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर 5 जनवरी को हमला हुआ था। केंद्रीय एजेंसी अब निलंबित टीएमसी नेता शेख शाहजहां को जल्द ही हिरासत में ले सकती है। शेख को पिछले हफ्ते उत्तर 24 परगना जिले के मिनाखान में एक घर से गिरफ्तार किया गया था।

चीफ जस्टिस टीएस शिवज्ञानम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस मामले पर सोमवार को भी सुनवाई की थी। इस दौरान ईडी, राज्य सरकार और सीबीआई की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ में जस्टिस हिरणमय भट्टाचार्य भी शामिल थे। खंडपीठ ने शेख को संदेशखाली में यौन अत्याचार और आदिवासी लोगों की भूमि हड़पने के आरोपों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए पक्षकार बनने की इजाजत दी, जिसकी सुनवाई यह खुद कर रही है। शेख के वकील ने स्वतः संज्ञान प्रस्ताव में सुनवाई की प्रार्थना की थी, जिस पर अदालत ने बुधवार को सुनवाई करने का निर्देश दिया है।

संदेशखाली में टीएमसी नेता के यहां छापेमारी के दौरान लगभग 1,000 लोगों की उग्र भीड़ ने ईडी अधिकारियों पर हमला किया था। इस हमले के बाद शेख को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि शेख की गिरफ्तारी के बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच बशीरहाट पुलिस से लेकर अपराध जांच विभाग को सौंप दी थी। राजू ने दावा किया कि ऐसा शेख को सीबीआई हिरासत से बचाने के लिए किया गया था, भले ही जांच सीबीआई को क्यों न हस्तांतरित कर दी जाए, क्योंकि किसी आरोपी की अधिकतम पुलिस हिरासत अवधि 14 दिन होती है। ईडी,को राज्य पुलिस से जुड़ी संयुक्त जांच पर भरोसा नहीं है, क्योंकि शेख सत्तारूढ़ दल का एक प्रमुख नेता और प्रभावशाली व्यक्ति हैं।

सीमा हैदर और सचिन की मुश्किलें बढ़ी

पहले पति ने दोनों को भेजा 3-3 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली,05 मार्च 2024 (ए)। पाकिस्तान से आई सीमा हैदर पिछले कई महीनों से अपने प्रेमी और भारतीय पति सचिन मीणा के साथ ग्रेटर नोएडा में अपने चार बच्चों के साथ रह रही हैं। लेकिन अब सीमा हैदर की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। सीमा के भारत आने की बात सामने आने के बाद उसके पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर ने बार-बार बच्चों को वापस भेजने की मांग की है। इसके लिए उसने भारत की अदालत में अर्जी देने का भी फैसला लिया है। गुलाम हैदर का केस भारत में वकील मोमिन मलिक लड़ रहे हैं। हाल ही में इस केस को अपने हाथ में लेने वाले मोमिन मलिक ने बताया है कि क्यों इस मामले में सीमा का पक्ष कमजोर है और अदालत बच्चों को उनके मुवक्किल के पास भेजने का आदेश दे सकती है। इतना ही नहीं पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर की मुश्किलें बढ़ने वाली है। सीमा हैदर के पहले पति ने सीमा के साथ-साथ सचिन को तीन-तीन करोड़ रुपये का नोटिस भेजा है।

गुलाम हैदर ने सीमा हैदर के भाई होने का दावा करने वाले डॉ. एपी सिंह को 5 करोड़ रुपये का नोटिस भी भेजा। सीमा और सचिन को गुलाम हैदर ने एक महीने की मोहलत दी है। इस दौरान दोनों को गुलाम से माफी मांगनी होगी और जुर्माना भरना होगा। ऐसा न करने पर दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गुलाम हैदर के वकील मोमिन मलिक ने कहा कि बच्चों का धर्मांतरण कराया गया। उन्होंने चारों बच्चों के नाम बदल दिए, ये उनके साथ ज्यादती है। 10 साल से कम उम्र के बच्चे धर्म के बारे में नहीं जानते हैं। दूसरी ओर सीमा ने गुलाम से तलाक नहीं लिया और सचिन से शादी करने का दावा किया है। पहली शादी से बाहर आए बिना दूसरी शादी नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि जब इन सब मुद्दों को कोर्ट में रखा जाएगा तो सीमा ही नहीं सचिन भी मुश्किल में आएगा।

कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक 6 मार्च को

नई दिल्ली,05 मार्च 2024 (ए)। चुनाव आयोग ने 12 मार्च के बाद कभी भी लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के संकेत दिए हैं। इस बीच खबर है कि कांग्रेस इस सप्ताह अपने लोकसभा उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है। एक अंग्रेजी अखबार में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि बुधवार 6 मार्च को होने वाली पहली सीईसी बैठक में छत्तीसगढ़, केरल और तेलंगाना के उम्मीदवारों की सूची पर विचार होने की उम्मीद है।

सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) स्क्रीनिंग समितियां दो दिनों के भीतर शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों की अपनी सूची कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) को सौपेंगीं। इसके बाद यह चुनाव समिति

अंतिम निर्णय लेगी और उम्मीदवारों की घोषणा करेगी। आगामी लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 194 उम्मीदवारों की अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। जिसके बाद विपक्ष में उम्मीदवारों की सूची जारी करने का दबाव बढ़ गया है।

घोषणापत्र समिति के प्रस्तावों और वादों को दिया जा रहा है अंतिम रूप

सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि कांग्रेस घोषणापत्र समिति अपने प्रस्तावों/वादों को भी अंतिम रूप दे रही है। इसमें एक बार फिर महिलाओं, बेरोजगार युवाओं, किसानों, छात्रों और सामाजिक रूप से पिछड़े और गरीबों को छूट की पेशकश करने की उम्मीद है। इसके अलावा आईटी और एमएसएमई क्षेत्रों को टैक्स प्रोत्साहन का वादा भी किया गया है।

कांग्रेस घोषणापत्र समिति के प्रस्तावों में जाति जनगणना कराने और सेना भर्ती के लिए अग्निपथ योजना को खत्म करने का वादा भी किया जा सकता है। कांग्रेस को उम्मीद है कि चुनाव की घोषणा से पहले वह महाराष्ट्र और बिहार में अपने सहयोगियों के साथ सीट-बंटवारे की बातचीत को अंतिम रूप दे देगी। वहीं कांग्रेस का यूपी में सपा और दिल्ली व गुजरात में आप के साथ समझौता हो चुका है।

मोदी का परिवार पीएम का नया दांव

नई दिल्ली,05 मार्च 2024 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना की एक रैली में आम चुनाव के लिए नया सियासी दांव चला।. उन्होंने पटना में एक दिन पहले लालू प्रसाद की ओर से उनके परिवार को लेकर उठाए गए सवाल को अपने अपमान से जोड़ने का प्रयास कर जनता को अपने पक्ष में लामबंद करने का प्रयास शुरू कर दिया है। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा सहित कई भाजपा नेताओं ने अपने 'एक्स' के बायो में अपने नाम के आगे 'मोदी का परिवार' लिख लिया.पीएम की ओर से चला गया यह सियासी दांव वर्ष 2019 के उसी कदम की तरह है। जब उन्होंने कांग्रेस नेता की ओर से उन्हें 'चौकीदार है' कहे जाने के बाद 'मैं भी चौकीदार' नारा दिया था।. इसके बाद देश भर में भाजपा के सभी नेताओं ने अपने ट्विटर बायो में नाम के आगे 'मैं भी चौकीदार' लिख लिया था। यह सियासी दांव सफल भी रहा था। गौरतलब है कि रविवार को पटना की रैली में लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि मोदी का कौन सा परिवार है, उनको संतान क्यों नहीं हुआ है। वह परिवारवाद की बात करते हैं लेकिन उनको भाजपा में परिवारवाद नहीं दिखता है।

एनआईए ने सात राज्यों में 17 से अधिक स्थानों पर की छापेमारी

बेंगलुरु,05 मार्च 2024 (ए)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी द्वारा बेंगलुरु की जेल में कैदियों को कट्टरपंथी बनाने से जुड़े मामले में मंगलवार को सात राज्यों के 17 स्थानों पर छापेमारी कर रहा है। एजेंसी के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। बेंगलुरु शहर पुलिस ने पिछले साल जुलाई में सात पिस्तौल, चार हथगोले, एक मैगजीन सहित अन्य गोला-बारूद की जब्ती के बाद मामला दर्ज किया था। शुरुआत में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था और उनसे पूछताछ के बाद एक और गिरफ्तारी हुई, जिससे मामले में कुल छह गिरफ्तारियां हुईं। लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी टी. नासिर इस मामले में जुनैद अहमद के साथ आरोपी है। नासिर ने बेंगलुरु की केंद्रीय जेल में पांच लोगों को कट्टरपंथी बनाया था। जुनैद अहमद फरार है। एनआईए ने पिछले साल अक्टूबर में मामले को अपने हाथ में लिया था और तब जुनैद अहमद के घर सहित कई जगहों पर तलाशी ली थी। एनआईए प्रवक्ता ने बताया कि मंगलवार को सात राज्यों में 17 ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

वैजयंती माला को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के 'इस' कदम की हर तरफ हो रही है सराहना

वैजयंतीमाला और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी की गई हैं

नई दिल्ली,05 मार्च 2024 (ए)। कुछ दिन पहले 90 साल की उम्र में वैजयंती माला द्वारा अयोध्या राम मंदिर इलाके में किया गया डांस खूब चर्चा में रहा था। वैजयंतीमल ने सुंदर भरतनाट्यम नृत्य किया और यह 90 वर्ष की उम्र किया गया एक आश्चर्यजनक नृत्य था। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने वैजयंती माला से मुलाकात की। मोदी ने वैजयंती माला से मुलाकात का जबरदस्त अनुभव साझा किया। इस दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं। वैजयंती माला के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा चेन्नई में वैजयंती माला जी से मिलकर खुशी हुई। उन्हें हाल ही में पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पूरे भारतीय सिनेमा में उनकी सराहना भी की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी हाथ जोड़कर अभिनेत्री वैजयंती माला का अभिवादन करते नजर आए। मोदी के इस सम्मान जनक कदम की हर तरफ सराहना हो रही है। कुछ दिन पहले ही वैजयंती माला को पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इससे पहले उन्हें 1968 में भारत सरकार द्वारा चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। 90 साल की उम्र में वैजयंती माला का कला प्रेम निश्चित रूप से सराहनीय है।

कांग्रेस के तीन पूर्व विधायक बीजेपी में हुए शामिल

विधानसभा उपचुनाव में मोढ़वाडिया को मिल सकता है टिकट

नई दिल्ली,05 मार्च 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस को एक के बाद एक झटके दे रही है। ये झटके राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान लग रहे हैं। महाराष्ट्र में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के भाजपा प्रवेश करने के बाद अब गुजरात कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है।भारत जोड़ो यात्रा के गुजरा पहुंचने से तीन दिन पहले बीजेपी ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अंबरीश डेर समेत तीन पूर्व विधायकों को पार्टी से बाहर कर दिया है। अर्जुन मोढवाडिया, मुलु भाई कंदोरिया और डेर आज बीजेपी में शामिल हो गए हैं। दोनों ने कल कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बहिष्कार का रुख अपनाया था। इससे ये नेता खफा थे। मोढवाडिया ने इस्तीफा देते हुए इस फैसले की आलोचना की थी। इससे पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री नाराण राठवा के बेटे अपने समर्थकों के साथ सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए।चर्चा है कि आगामी लोकसभा चुनाव के साथ होने वाले विधानसभा उपचुनाव में मोढ़ीगामडिय़ा को टिकट दिया जाएगा। वह दो बार विधायक रहे। जनवरी में भी कांग्रेस के एक वरिष्ठ विधायक ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। सी जे चावड़ा ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ा था।

परिवार को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साध रहे लालू को मिला एक और तगड़ा जवाब

नई दिल्ली,05 मार्च 2024 (ए)। परिवार को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधना लालू यादव को बेहद भारी पड़ गया है। राजद सुप्रीमो लालू यादव को एक और तगड़ा जवाब मिला है। मोदी आकाईव नाम के एक्स हैंडल से शेयर किए गए राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित पीएम मोदी के उस सपने को साकार होते दिखाया गया है, जो उन्होंने बचपन से ही संजोया था।बचपन से उन्होंने अपने आप को देश को समर्पित करने की सोच पर आगे बढ्ना शुरू कर दिया था। कहा जाए तो यह संदेश साफ है कि पीएम मोदी ने देश को ही अपना घर मान लिया था तो इसके नागरिकों को अपना परिवार। जाहिर है ऐसे में 2 मिनट 48 सेकंड के इस वीडियो से लालू यादव जैसे दूसरे विपक्षी नेताओं को दो टूक जवाब मिल जाता है, जो पीएम मोदी को परिवार के मामले में घेरने की कोशिश कर रहे हैं।

टाइगर रिजर्व में फिर एक बाघ की मौत

55 दिनों के अंदर सातवें बाघ की गई जान

उमरिया,05 मार्च 2024 (ए)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघ की मौत का सिलसिला जारी है। एक बार फिर पनपथा कोर के बीट हरदी के कक्ष क्रमांक-455 में नर बाघ का शव मिला। बांधव गढ़ टाइगर रिजर्व में 55 दिनों के अंदर 7वें बाघ की मौत हुई है। लागतार बाघ की हो रही मौत को देख कर लग रहा है जैसे पार्क प्रबंधन रिकॉर्ड बनाने में जुटा है। पार्क प्रबंधन की लापरवाही को लेकर ऐसा लग रहा की मध्यप्रदेश को मिला टाईगर स्टेट का दर्जा कही छीन न जाए। बताया गया है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर रेंज में बाघ का शव पाया गया है। पनपथा कोर रेंज के हरदी बीट कक्षा क्रमांक-455 में बाघ का शव मिला। इस बाघ के शव पाए जाने के बाद इस साल अभी तक सात बाघों की मौत हो चुकी है।एक के बाद एक बाघ की मौत के बाद बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मॉनिटरिंग सिस्टम के दावों की पोल खुलते हुए नजर आ रही है। अगर ऐसा ही होते रहा तो पार्क प्रबंधन की लापरवाही से मध्यप्रदेश से टाईगर स्टेट का दर्जा छीन जाएगा।

संपादकीय

ये आंकड़े चुनावी हैं?

उल्लेखनीय है कि दो वर्ष बाद आंकड़ों में संशोधन किया गया है। तो प्रश्न है कि क्या अब बताए गए आंकड़े अंतिम हैं? या आम चुनाव के माहौल में सुर्खियां बटोर लेने के बाद इनमें भी परिवर्तन किया जाएगा? राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने आर्थिक वृद्धि संबंधी आंकड़ों में कई संशोधन किए और नतीजा हुआ कि भारत के 2023-24 के आंकड़ों में चमत्कारिक वृद्धि हो गई। पिछले महीने एनएसओ ने यह वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। अब इसे बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया गया है। बताया गया कि वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में यह दर 8.4 प्रतिशत तक पहुंच गई। चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में अनुमानित सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) को बढ़ा कर 6.9 प्रतिशत पर रखा गया है।तो यह देखना दिलचस्प होगा कि आखिर बाकी संशोधन किस आधार पर किए गए। एनएसओ ने 2022-23 में दर्ज हुई जीडीपी वृद्धि दर को घटाकर अब 7.2 से 7 प्रतिशत कर दिया है। जाहिर है, जब आधार नीचे हुआ, तो इस वर्ष की वृद्धि दर ऊंची हो गई। वैसे संशोधन 2021-22 (कोरोना महामारी के ठीक बाद वाले साल) के आंकड़ों में भी किया गया, जिसे अब 9.1 से बढ़ाकर 9.7 प्रतिशत कर दिया गया है। तो चूंकि वह आधार ऊंचा हुआ, तो अगले वर्ष की वृद्धि दर गिर गई।उधर पिछले वित्त वर्ष के बारे में बताया गया था कि जीवीए वृद्धि 7 प्रतिशत रही। लेकिन अब इसे घटा कर 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। तो यहां भी आधार नीचे हुआ। उससे चालू वित्त वर्ष का अनुमान ऊंचा हो गया। उल्लेखनीय है कि दो वर्ष बाद आंकड़ों में संशोधन किया गया है। तो प्रश्न है कि क्या अब बताए गए आंकड़े अंतिम हैं? या आम चुनाव के माहौल में सुर्खियां बटोर लेने के बाद इनमें भी परिवर्तन किया जाएगा?यह देखकर कहानी कुछ और रहस्यमय हो जाती है कि एनएसओ ने चालू वित्त वर्ष में निजी उपभोग में अब सिर्फ तीन प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान लगाया है, जबकि जनवरी में जारी आंकड़ों में इसके 4.4 प्रतिशत रहने का अंदाजा लगाया गया था।

सुप्रीम फैसलों ने बढ़ाया देश का मान

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में कई ऐसे फैसले दिए हैं जिससे देश का मान तो बढ़ा ही है। उसके साथ ही वो फैसले न्यायपालिका के क्षेत्र में भी मील के पत्थर साबित होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसलों से जहां हर देशवासी को गौरवान्वित किया हैं। वहीं देशवासियों का न्यायपालिका के प्रति विश्वास को भी सुदृढ़ किया है। सुप्रीम कोर्ट के इन फैसलों की पूरे देश में सराहना हो रही है। देश के आम आदमी को भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से यह महसूस होने लगा कि हमारे देश में न्याय कभी कमजोर नहीं हो सकता है। हालांकि पिछले कई वर्षों से देश में न्यायपालिका को कमजोर करने के आरोप लग रहे थे। जिनको सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने झूठला दिया है।

सोमवार को वोट के बदले नोट के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अब रिश्वत लेकर सदन में वोट दिया या सवाल पूछा तो सांसदों या विधायकों को विशेषाधिकार के तहत मुकदमे से छूट नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की संवैधानिक पीठ ने सोमवार को अपना 25 साल पुराना फैसला पलट दिया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एएस बोपन्ना, एमएम सुंदरेश, पीएस नरसिम्हा, जेबी पारदीवाला, संजय कुमार और मनोज मिश्रा की संवैधानिक पीठ ने कहा कि हम 1998 में दिए गए जस्टिस पीवी नरसिम्हा के उस फैसले से सहमत नहीं हैं। जिसमें सांसदों और विधायकों को सदन में भाषण देने या वोट के लिए रिश्वत लेने पर मुकदमे से छूट दी गई थी। 1998 में 5 जजों की संवैधानिक पीठ ने 3-2 के बहुमत से तय किया था कि ऐसे मामलों में जनप्रतिनिधियों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि अगर कोई घूस लेता है तो केस बन जाता है। यह मायने नहीं रखता है कि उसने बाद में वोट दिया या फिर स्पीच दी। आरोप तभी बन जाता है जिस वक्त कोई सांसद घूस स्वीकार करता है। संविधान के आर्टिकल 105 और 194 सदन के अंदर बहस और विचार-विमर्श का माहौल बनाए रखने के लिए हैं। दोनों अनुच्छेद का मकसद तब बेमानी हो जाता है। जब कोई सदस्य घूस लेकर सदन में वोट देने या खास तरीके से बोलने के लिए प्रेरित होता है।

आर्टिकल 105 या 194 के तहत रिश्वतखोरी को छूट हासिल नहीं है। रिश्वत लेने वाला आपराधिक काम में शामिल होता है। ऐसा करना सदन में वोट देने या भाषण देने के लिए जरूरत की श्रेणी में नहीं आता है। सांसदों का भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को नष्ट कर देती है। हमारा मानना है कि संसदीय विशेषाधिकारों के तहत रिश्वतखोरी को संरक्षण हासिल नहीं है।

यह मुद्दा दोबारा तब उठा जब झामुमो विधायक सीता सोरेन ने अपने खिलाफ जारी आपराधिक कार्रवाई को रद्द करने की याचिक दाखिल की। उन पर आरोप था कि उन्होंने 2012 के झारखंड के राज्यसभा चुनाव में एक खास प्रत्याशी को वोट देने के लिए रिश्वत ली थी। सीता सोरेन ने अपने बचाव में तर्क दिया था कि उन्हें सदन में कुछ भी कहने या वोट देने के लिए संविधान के अनुच्छेद 194 (2) के तहत छूट हासिल है।

इसी तरह कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट ने

एक बड़ा फैसला देते हुए राजनीतिक दलों के लिए चंदा जुटाने की पुरानी इलेक्टोरल बांड स्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने पर तत्काल रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल बांड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में गठित पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया था।अपने फैसले में चीफ जस्टिस ने कहा है कि पॉलीटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी वह प्रक्रिया है जिससे मतदाता को वोट डालने के लिए सही चॉइस मिलती है। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है। जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है।

याचिकाकर्ताओं ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि कि इससे राजनीतिक दलों को बिना जांच और टैक्स भरे फंडिंग मिल रही है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017 के बजट में चुनावी इलेक्टोरल बांड स्कीम को पेश किया था। जिसे 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने नोटिफाई किया था।

दिसंबर 2019 में याचिकाकर्ताओं ने इस योजना पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया था कि किस तरह चुनावी बांड योजना पर चुनाव आयोग, रिजर्व बैंक की चिताओं को केंद्र सरकार ने दरकिनार कर दिया था।

चुनाव आयोग का मानना था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29 (बी) का उल्लंघन कर चंदा लिया है या नहीं। विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक का मानना था कि इलेक्टोरल बांड मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देगा। इसके जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करना संभव होगा। चुनाव आयोग व रिजर्व बैंक की आपत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपने आप में ऐतिहासिक माना जा सकता है।

कुछ दिनो पूर्व चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने बड़ा फैसला करते हुए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को मेयर घोषित कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह की तरफ से घोषित बीजेपी कैंडिडेट मनोज कुमार सोनकर को मेयर के तौर पर विजेता घोषित करने का फैसला अवैध है और उसे खारिज किया जाता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पूरे चुनावी प्रक्रिया को खारिज करने से लोकतांत्रिक सिद्धांत के लिए विनाशकारी होगा क्योंकि यह सब पीठासीन अधिकारी के मिसकंडक्ट के कारण हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीठासीन अधिकारी मसीह ने जानबूझकर आठ बैलेट पेपर को विकृत किया है। इसलिये उनके खिलाफ मुकदमा चलाए जाने के लिए नोटिस जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अनुच्छेद 142 के तहत विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए आदेश पारित करते हुए कहा था कि पूर्ण न्याय के लिए हम निर्देश जारी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस और चीफ जस्टिस ने बैलेट पेपर और वीडियो का अवलोकन किया और खुद ही परीक्षण किया और पाया है कि वह विकृत नहीं है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि जो रिजल्ट शीट है उसमें 12 वोट याचिकाकर्ता कुलदीप को मिले हैं। जबकि 16 वोट बीजेपी कैंडिडेट मनोज सोनकर को मिले थे और 8 बैलेट पेपर को पीठासीन अधिकारी ने अमान्य करार दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इन आठ बैलेट को मान्य करार दिया और कहा कि इनमें वोट कुलदीप कुमार के पक्ष में पड़े थे। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस तरह से कुलदीप कुमार को कुल 20 वोट मिले हैं और उन्हें मेयर पद पर विजेता घोषित किया जाता है।भारत में इस तरह के फैसलों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत होगी। वहीं गलत कार्य करने वालों के मन में भी भय व्याप्त होगा। उन्हे लगेगा कि उनके गलत कार्यो पर कभी भी कार्यवाही की जाकर उन्हे कटघरे में खड़ा किया जा सकता हैं। इसलिये गलत काम करने वाला सौ बार अच्छे बुरे की सोच कर ही अपना कदम उठायेगा।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,
राजस्थान

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

ये तो स्वाभाविक,बस ऊंगली का तड़का लगाना जैसे आदत

अरे भाई आपने वो गाना तो सुना ही होगा की पैसा बोलता है । तो सही तो है । लोग कहते जो अमीर उसका रुतबा ही अलग होता है भरी भीड़ में भी उसका रुतबा अरे भाई अमीरी का रुतबा उसे भरी भीड़ में भी अलग चेहरा दिखा सभी से मिला देता । चलो ये तो हो गई मुहावरों और गानों की बात शायद कम ही पाठक समझ पाए हों मेरी व्यंग्य में घुमाफिरा कर की गयी हुई इस बात को की आखिर आज मेरा इशारा किस ओर है । चलो फिर इसी बात को बहुत ही सरल शब्दों में समझा देती फिर आप सभी शायद समझ जाएं की मैं क्या और किस विषय पर बात करके कुछ समझाना चाह रही हूँ ।

अब एक बात आप बताओ मुझे अरे सभी पाठकों से पूछ रही सवाल ये है कि आप सभी के अपने-अपने घर को चलाने के लिए घर के सदस्यों में से सबसे अधिक पैसे देने वाले की इज्जत कैसी होती है ? बताओ - अरे बताओ ना अब क्या सॉप सूंघ गया सभी को ? चलो मैं ही बताती हूँ , सबसे अधिक इज्ज़त होती है उसी की जो घर में सबसे अधिक पैसे देकर घर के हर एक सुविधा का बंदोबस्त करने की पूरी-पूरी अपनी ओर से जी-तोड़ मेहनत करता है । कड़वा है पर असली ज़हर है शब्दों में मेरे । सच्चाई को स्वीकार करो सभी यही सदियों से होता चला आया है और यही होता ही रहेगा । तो इस बात में बुरा मानने वाली या व्यंग्य कस ऊंगली करने वाली बात क्या है ? सच अच्छी तरह सब जानते की ऐसा ही होता है फिर भी बस ऊंगली का तड़का लगाना जैसे आदत बन गयी है और सामने वालों को कैसे भी करके गिराने की तोड़ने की कोशिश की जा रही है क्या ये सही है ? मेरी नज़रों में तो ये बिल्कुल भी सही नहीं है । चलो अब मैं बता ही देती पाठकों की क्यों मेरे मन में आज इस तरह के विचार आए दरअसल मैं आज सोशल मीडिया ट्विटर पर भ्रमण कर रही थी की तभी एक पोस्टर पर नज़र पड़ी और रूक गई पोस्टर देखी ध्यान से । उस पोस्टर को किसने भेजा इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं इसलिए भेजने वाले का नाम तक नहीं पढ़ी बस उस पर लिखे व्यंग्य को पढ़ी और सोचा आज फिल कुछ सरल भाषा में सौम्यता का रस भर कटू शब्दों में समझाने के लिए एक विषय मिल गया । खैर मैं एक गृहिणी क्या किसी को समझाऊंगी जो सिर्फ एक चार दीवारी मे सीमित है पर सोचा गृहणी हूँ तो क्या हुआ अपनी बात को रखने का मुझे भी मानवाधिकार है और उसी अधिकार के चलते लिख बैठी दिल में उठे सम्मानित भाव उस इंसान के लिए जो दिन भर में कितने ही व्यंग्यों की तलवार से कट रहा फिर भी अपने भीतर की पीड़ा को छुपा बस अपने कर्तव्य पथ पर अडिग है उसे तो सिर्फ देश की तरक्की की फिक्र । चलो अब बता देती हूँ की उस पोस्टर में ऐसा क्या था । उह पोस्टर में हमारे देश के सम्मानिय प्रधानमंत्री जी बीचों बीच थे और उनके चारों ओर देश के सर्वश्रेष्ठ अमीर लोगों ने घेरा बना रखा था । अब इसमें आप ये सोच रहे होंगे की तो क्या हुआ इस पोस्टर में ऐसी कोई खास बात तो नहीं । परंतु पाठकों और व्यंग्य कर परिहास करने वालों मेरी नज़र से देखो सोचो समझों की जो घेरा बना हुआ है सर्वश्रेष्ठ अमीरों का वो घेरा कितना जरूरी है । अब भी नहीं समझे आप ? अरे भाई आप ये बताओ पैसा कितना जरूरी है भला पैसे के बिना आपको रोटी मिल पाएगी नहीं ना । तो आप पैसों का मोल समझो । हमारे देश के आर्थिक बजट को बरकरार रखने के लिए सबसे अधिक टेक्स , जीएसटी, जनता को सबसे अधिक रोजगार देने वाले , दान-पुण्य करने वाले कौन हैं ? अरे बहुत ही सरल उत्तर है इस प्रश्न का वो हैं हमारे देश के सर्वश्रेष्ठ अमीरों की सूची में आने वाले अंबानी , टाटा , बिड़ला , अडानी , मित्तल अन्य ओर भी लोग हैं । ऐसा नहीं की आम जनता टेक्स या जीएसटी नहीं देते , सभी देते हैं ।परंतु दस रूपये बड़े हैं या दस करोड़ एक अंदाजा लगाकर कह रही ? स्वाभाविक है ना दस करोड़ बड़े हैं तो जो व्यक्ति परिवार की आय का सबसे बड़ा हिस्सा देता जिससे एक नहीं बल्कि लाखों इच्छाओं को पूरा किया जा सकता तो पूछ परख तो उसकी ज्यादा होगी ही ना । खैर हमारी आम जनता भी दैव के आर्थिक कमाई में योगदान देने वाले भगवान है तो हमारे सर्वश्रेष्ठ अमीर भी । मगर सौ बातों का एक सार निकाल के बता रही की यदि घर चलाने में बड़ी राशि देने वाले अगर किसी एक भी सदस्य को नाराज़ कर दिया तो नुकसान परिवार के अन्य सदस्यों का ही होगा । इसलिए परिवार मतलब पूरे देश की जनता की भलाई को सोचते हुए की उन्हें कोई कमी न हो कभी इस चक्कर या सोच को सार्थक बनाने के लिए इन सर्वश्रेष्ठ अमीर लोगों को खुश रखना जरूरी है ।

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर,
महाराष्ट्र

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

गड़करी अच्छे या मोदी?

जवाब व्यक्ति की सत्यवादी बनाम अंधविश्वासी मनोदशा में होगा। हम हिंदू अंधविश्वासी हैं। अवतार में विश्वास रखते हैं। इलहाल और झूठ में जीते हैं। इसलिए प्रोपेगेंडा के दस साला महाअभियान में डूबे असंख्य लोग मोदी को निस्वार्थी लोक सेवक, व्रत-उपवास रखने वाला धार्मिक तथा कर्मयोगी भगवान समझते हैं।मगर मनुष्यता की कसौटी में सत्य से जीने वाले समझदारों में यदि जन सर्वेक्षण हो, भाजपा-संघ के भीतर भी सर्वे हो तो नतीजा क्या होगा? मेरा मानना है गडकरी जीतेंगे, मोदी हारेंगे। इसलिए क्योंकि मेरी धारणा है इंसान अंततः अच्छाई का आकांक्षी है। और प्रमाण में इतिहास है तो मोदी की इमेज में विश्व मीडिया का आईना है। सनातन धर्म का भी शाश्वत सत्य है कि मर्यादा का मान है, राम की पूजा है। जबकि अहंकार और रावण अमान्य हैं। ध्यान रहे राम-रावण की कथा हम हिंदुओं की ही है।मेरा दो व्यक्तियों के सवाल में इतना पीछे जाना इसलिए जरूरी है क्योंकि 140 करोड़ लोगों का देश इस वक्त ऐसा बंटा हुआ है कि झूठ को सत्य मानते हैं और सत्य को झूठ। बहुत ही मुश्किल है। मैं पहले भी लिखता रहा हूं कि आज की राजनीति नेहरू, नरसिंह राव, वाजपेयी, मनमोहन सिंह को कितना ही खारिज करे लेकिन आजाद भारत के इतिहास में ये सहज-सरल-मर्यादित राजनीति के अच्छे चेहरे थे और हमेशा रहेंगे। सो, कसौटी अच्छा होना और भलेपन की है। अहंकार और झूठ से न नेता की पुण्यता टिकाऊ होती है और न नस्ल और देश का भला होता है।दरअसल इस सप्ताह की घटनाओं से मेरा ध्यान चेहरों पर हुआ। हिमाचल, यूपी, कर्नाटक में दलबदल, गुजरात से लेकर झारखंड में नेताओं की खरीद फरोख्त और भाजपा के टिकटों की चर्चा में बहुत कुछ सुना। नितिन गडकरी, प्रतिभा सिंह, मधु व गीता कोड़ा, डीके शिवकुमार पर सोशल मीडिया के हेडिंग और कवर दिखे तो नरेंद्र मोदी द डिक्टेटर' वीडियो की लोकप्रियता के आंकड़े मालूम हुए। पर फिर सवाल था कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले यह सब देख, जान लोग क्या अच्छे-बुरे का फैसला करने में समर्थ हैं?मैं दिन में फोन पर सोशल मीडिया, यूट्यूब को मुश्किल से पांच-सात मिनट देता हूं। स्क्रॉल करते हुए हेडिंग, कवर देखता हूं। इस सप्ताह मोदी पुराण के एक्सट्रीम के बीच में नितिन गडकरी पर भी चर्चा दिखी। कैसी हैरानी की बात है जो 2014 में सरकार बनने से लेकर आज तक नरेंद्र मोदी-अमित शाह के ईर्द-गिर्द

बेइंतहां खर्च का जहां मीडिया नैरेटिव है। वही नितिन गडकरी भी 2014 के पहले से अब तक लगातार दिलचस्पी के केंद्र हैं। फिलहाल यह कयास है कि मोदी-शाह सबको निपटा रहे हैं तो शिवराज, वसुंधरा की तरह नितिन गडकरी, राजनाथ सिंह आदि के टिकट कट जाने हैं।बावजूद इसके गडकरी भाषणों के हवाले सोशल मीडिया में चर्चित हैं। भला गडकरी से ऐसा लगाव क्यों? एक ही वजह है। और वह है उनसे लोगों में फीलगुड! निश्चित ही दस वर्षों में नरेंद्र मोदी ने रंग-बिरगी पोशाकों, जुमलों, दिखावों, प्रवचनों, श्रृंगारों, झांकियों, नौटंकियों, विश्वगुरू के प्रोपेगेंडा नैरेटिव से अपने को अंधविश्वासियों में भगवान बनाया है। उनके प्रति हिंदुओं में भक्ति है। मगर वही ठीक कंट्रास्ट में लुटियन दिल्ली, भाजपा और संघ से ले कर समझदार आम जन में नितिन गडकरी का उनके मनसा, वाचा, कर्मणा से यह भाव है कि एक अच्छा आदमी। कितना काम किया और कितना समझदार !लग रहा होगा मेरा नितिन गडकरी से कोई स्वार्थ है। उनसे मेरा मेल-जोल है। रत्ती भर नहीं। मगर मेरा मानना है भाजपा-संघ-हिंदुवादी चेहरों की जमात के लिए नितिन गडकरी का आज अकेला चेहरा है, जिससे पूरी जमात के अच्छेपन, भलेपन और उसमें रीढ़ की हड्डी होने का तर्क दिया जा सकता है। नरेंद्र मोदी के अहंकारी, अमर्यादित, नकली नेतृत्व ने देश-विदेश में संघ-भाजपा की जो इमेज बनाई है उसमें जमात पर ऊगलियां हैं। भविष्य के खतरे हैं।मगर एक चेहरा तो ऐसा है जो सहज, सरल है। काम की सत्य बात करता है। एकात्म मानवतावादी है और संघ की शाखा से निकला वह पारिवारिक, सामाजिक जीव है और लोगों में नफरत नहीं, विभाजन नहीं बढ़ाता, बल्कि बल्कि दिल जीतता है। असली वसुधैव कुटुंबकमवादी है!इसलिए देखना है कि ऐसे संघी, ऐसे भाजपाई का मोदी-शाह टिकट काटते हैं या नहीं? वैसे मेरा मानना है कि टिकट मिलेगा क्योंकि मोदी-शाह दोनों असलियत में 273 सीटों के लिए भी हांफते दिख रहे हैं। सो, गडकरी का टिकट काट नागपुर की सीट को वे खतरे में नहीं डाल सकते हैं।

-हरिशंकर व्यास-

बस,चलते रहना

मंजिल हो चाहे कितनी दूर
मुसाफिर को तो है चलते रहना ।
मुसीबत करे कितना भी मजबूर
हमें तो है कोशिश करते रहना ।
वक्त चाहे कितनी दे तकलीफ
हमें तो है बस सहते रहना ।
मालिक चाहे सुने या ना सुने
हमें तो है फरियाद करते रहना ।
कोई पानी पिए या ना पिए
दरिया को तो है बहते रहना ।
हमारा काम है स्वीकार करना रब
का काम है किस्मत बुनते रहना।
हमारा काम है कर्म करते रहना
ईश्वर का काम है फल देते रहना।
यह जीवन है एक प्रकार की सर्कस
हमें जोकर बनकर है हंसते रहना।
चलते चलते थक जाने की है संभावना
बस हमारा काम है संभलते रहना।

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

हर हर महादेव

महाशिवरात्रि का पर्व है आया।
शिवालयो में उत्सव है छाया।।
आज भक्तो की पूरी हो जाय मांग।
चढ़ाए धतूरा, बेल पत्ता और भांग।।
सबके ह्रदय में रहते हैं सदैव।
देवो के देव हर हर महादेव।।
महादेव की महिमा है न्यारी ।
भक्तो के कष्ट हर देती सारी।।
विष अपने कंठ में धारण किए।
तब से वे नीलकंठ कहलाए।।
बदन में पहने देखो मृगछाला।
और गले में रुद्राक्ष की माला।।
जिसकी जटा से निकली है गंगा।
आज शिवजी का बज रहा डंका।।
जब जब दिव्य रूप देखूं इनका।
तब तब कष्ट मिटे मेरे मन का।।
शिव जी को चढ़ा एक लोटा जल।
तेरे हर समस्या का हो जायेगा हल।।
शिवजी का शब्दो में क्या बखान करूं।
हर हर महादेव का मैं गुणगान करूं।

श्याम सुंदर साहू प्राचार्य राजिम
जिला गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अन्तर्मन के पट खोल

हर जीवन में आशा भरती,
खिड़की लाती है प्यार का संदेश,
भीतर देखो झांक कर अपने थोड़ा,
क्यों भरा है इतना राग द्वेष ।
दुखों को तुम अपने अलविदा कह दो,
वर्तमान में खुशी का कराओ,
अपने दिल में गृह प्रवेश,
खुबसूरत रंग भरी इस दुनिया में,
तुम क्यों बैठे हो निरुद्देश्य ।
अंतर्मन के जब पट खोलोगे तो,
पाओगे हरि दुर्लभ सुंदर दर्शन विशेष,
ज्ञान ज्योति सहसा प्रज्वलित होगी,
नहीं रहेगा कोई अपराध शेष ।
जो जैसा है उसको वैसा अपनाना सीख लो,
नहीं रखो मन में कोई अपेक्षाएं व लोभ निवेश,
अपने भीतर जगाओ दूरदर्शी क्षमता तुम,
साधो अपने जन्म लेने का उद्देश्य ।
करो मन के विचारों को स्वच्छंद,
न रहे कोई अवसाद अवशेष,
आनंद में रम कर तुम फैलाओ.
जग में खुशियों का परिवेश ।

मोनिका डागा आनंद,
चेन्नई,
तमिलनाडु

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कहानी:था कौन

आज शर्वरी की तेरहवीं थी ।सारा घर मेहमानों से भरा था ।आपसी बातचीत की आवजों से गूँज रहा था, अगर चुप थे तो केवल शर्वरी की माँ के होंठ जो चिपके हुए से प्रतीत हो रहे थे ।ना उनमें आवाज थी,ना ही वो खुल रहे थे ।बस आँखे थी,जिनके आँसू सूख चुके थे और साथ में दो व चार वर्ष के
दोहितिया थी जो कुछ समझ नही रहे थी,लेकिन नानी की कोख में दुबके पड़ी थी।

शर्वरी की मौत का कारण सब बीमारी समझ रहे थे लेकिन वास्तविकता में उसको मारा गया था और इसका अहसास उसके पति आशीष को भी था कि अगर उसकी पुकार सुन ली होती तो आज उसकी दुनिया नही उजड़ती ।
घर में एक और शख्स सा था जो अब पछता रहा था लेकिन उसके लिए नही जो दुनियाँ छोड़ चुकी है बल्कि उसके लिए जो उसका बेटा था,अब बेटे और दो बच्चों का भार उसके ऊपर आ गया था।शर्वरी की सास ने भी नही सोचा था कि इस बार वापस नही आएगी।
6 वर्ष के वैवाहिक जीवन में दो बच्चों और चार अबॉर्शन झेल चुकी शर्वरी इतनी कमजोर हो गई थी कि अब वह और ऑपरेशन या अबोर्शन नहीं झेल

सकती थी और डॉक्टर ने भी इसकी खासियत दी थी कि आगे इस तरीके की स्थिति इसके लिए घातक सिद्ध हो सकते हैं और अब इससे निपटने के उपाय सोच जा रहे थे दोनों ने तय कर लिया था की फैमिली प्लानिंग का जिम्माआशीष का होगा लेकिन दोनों को यह पता था कि अगर आशीष मां को यह सब देगा तो वो अपने बेटे को ये सब नही करने देगी ।सो उन्हें बिना बताये काम को अंजाम देने की सोचा लेकिन आशीष के मन में कुछ और ही चल रहा था और वो अपनी माँ को सब बता देता है और वो उसे ये सब करने के लिए साफ मना कर देती है। बेटा ऑपरेशन से बचा रहे इसके लिए बहु को समझा कर वो कुछ ताने उलाहने देकर वो उसे शब्दों से प्रताड़ित कर ,ओपरेशन के लिए तैयार कर देती है।

शारीरिक व मानसिक तनाव झेल रही शर्वरी ओ टी में जाती तो जीवित है मगर वही पर सारी अभिलाषाएं छोड़ आकाश के पार अनंत सैर पर निकल जाती है। आज उसी की तेरहवीं है ।जिसमें माँ दुखी है और पति व सास पछता रहे है और दो मासूम बच्चे वो तो कुछ समझ ही नही रहे है कि माँ का आँचल हमेशा के लिए उनके सर से हठ चुका है ।उन मासूमों को माँ के आँचल से दूर करने वाला था कौन ....?

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा,
राजस्थान

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अथाह दर्द का समंदर

जा रहा हूं देखने अथाह दर्द का समंदर,
इन्हीं आंखों के सामने होगा हर मंजर,
आशंका तनिक नहीं है कुछ खोना पे ेगा,
पर वे ्त बताएगा कितना रोना पे ेगा,
रखना होगा एक पांव में अपना शरीर,
समय ही होगा सैनिक राजा और वजीर,
बस जिंदा रहने के लिए खाना होगा,
हर आवाज पे इधर उधर जाना होगा,
हालात रखेगी हर पैमाने पर नजर,
जा रहा हूं देखने अथाह दर्द का समंदर,
कराह होगा, चीखें होंगी होगा दर्द से ते पन,
मरीज होंगे कनीग होंगे तेज रहेगा धे कन,
कोलाहल होगा बाहर शोर तो अंदर खामोशी,
अनभिज्ञ होंगे विज्ञ होंगे कहीं पर मदहोशी,
क्या हिन्दू क्या मुस्लिम क्या सिख और ईसाई,
तन की बनावट प्रकृति ने नहीं जुदा बनाई,
तड़प हर ओर होगी क्या गरीब क्या सिकंदर,
जा रहा हूं देखने अथाह दर्द का समंदर।

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

महिला एएसआई ही धोखाधड़ी का हो गई शिकार

- संवाददाता -
सूरजपुर,05 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

जिले में धोखाधड़ी का एक गंभीर मामला सामने आया है जिसमें एक महिला एएसआई ही धोखाधड़ी का शिकार हो गई और न्याय पाने के लिए 2 साल तक स्थानीय थाना से लेकर एसपी और कलेक्टर से गुहार लगाती रही, लेकिन जब उसे न्याय नहीं मिल सका तब आखिरकार उसने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जिसके बाद कोर्ट के द्वारा तात्कालीन तहसीलदार, पटवारी और एक महिला सहित चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिया , दरअसल यह पूरा मामला सूरजपुर के भैयाथान इलाके का है,, जहां एसएआई मंजू सिंह के पास, 2021 में भटगांव निवासी आरोपी किशोर यादव पहुंचा और बताया की डुमरिया गांव में 3.30 हेक्टेयर एक बहुत अच्छी जमीन है, जो आपको बहुत अच्छी कीमत पर मिल जाएगी,, आरोपी के द्वारा बताया गया कि यह जमीन डुमरिया गांव में रहने वाली रामप्यारी का है,, इसके बाद पीड़ित मंजू सिंह ने जमीन संबंधित दस्तावेज के बारे में तहसीलदार और पटवारी से बात की तो उनके द्वारा भी यह

बताया गया कि इस जमीन की मालिक रामप्यारी ही है और जमीन में किसी तरह का कोई विवाद नहीं है,,, इसके बाद अलग-अलग अकाउंट में मंजू सिंह से 10 लाख से ज्यादा की राशि आरोपियों ने ली,, जब पीड़ित इस जमीन को अपने नाम पर ट्रांसफर करने के लिए रजिस्टार ऑफिस पहुंची, तब उसे इस बात की जानकारी हुई कि वह ठगी की शिकार हो गई है, क्योंकि जिस जमीन को मंजू ने 10 लाख से ज्यादा की कीमत पर खरीदा है वह जमीन सरकारी है,, इसके बाद मंजू सिंह ने भटगांव थाने में शिकायत दर्ज कराई लेकिन कोई भी कार्यवाही न होने पर उसने एसपी ऑफिस सूरजपुर में भी फरियाद लगाई लेकिन वहां भी सुनवाई न होने के बाद उसने कलेक्टर सूरजपुर से भी गुहार लगाई लेकिन कहीं पर भी न्याय न मिलने पर आखिरकार पीड़ित ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और न्यायालय के द्वारा प्रतीक जायसवाल तहसीलदार , संतोष सिंह हल्का पटवारी, किशोर यादव और रामप्यारी के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471,406 और 120 बी के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत करने का आदेश दिया है,, इसके बाद भटगांव पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है,, लेकिन इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर पुलिस विभाग की महिला अधिकारी को ही पुलिस के द्वारा न्याय नहीं मिल पाया, तो आम लोगों की स्थिति क्या होगी इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है ।

425 से अधिक मुसाफिरों को तलब कर की गई पहचान-पत्र की जांच

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

जिले में बेहतर कानून व्यवस्था, अपराधों की रोकथाम एवं बाहरी आपराधिक तत्वों से जिले की सुरक्षा हेतु दीगर प्रान्त से जिले में व्यवसाय करने एवं गुजर बसर करने आए मुसाफिरों संदिग्धों की जांच पड़ताल कर सभी मुसाफिरों की थाना में मुसाफिरी थाना में दर्ज कर फिंगरप्रिंट एवं अधतन फोटोग्राफ लेने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में सरगुजा पुलिस द्वारा जिला मुख्यालय सहित जिले के समस्त थाना चौकी क्षेत्रों में थानावार पुलिस टीम द्वारा भीतरी कॉलोनियों एवं रिहायशी क्षेत्रों, व्यवसायिक क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाई गई। मुसाफिर चेकिंग अभियान के दौरान सरगुजा पुलिस द्वारा विभिन्न कॉलोनियों में किराए में निवासरत एवं जगह-जगह घूम कर अपना व्यवसाय एवं अन्य कार्य करने वाले कुल 425 से अधिक मुसाफिरों को तलब कर पहचान पत्र एवं अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। पुलिस टीम द्वारा मुसाफिरों से प्राप्त पहचान पत्र का भौतिक सत्यापन कर मकान मालिकों को मुसाफिरों से संबंधित जानकारियों को थाने में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, मुसाफिरों कों जिले में आने पर सम्बंधित थाना में आकर अपनी मुसाफिरी दर्ज कराने तथा अपना व्यवसाय, एवं काम करने की जगह, मोबाइल नंबर, स्थाई निवास के पहचान के लोगो की जानकारी मोबाइल नंबर आदि महत्वपूर्ण तथ्य प्रस्तुत करने के साथ ही मौके पर ही मुसाफिरों के फिंगरप्रिंट लिए गए। मुसाफिरों को पुलिस टीम द्वारा कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु कड़ी चेतवानी दी गई। किसी भी अनैतिक गतिविधियों, अपराधों में शामिल होना पाये जाने पर सख्ती से वैधानिक कार्यवाही किये जाने की हिदायत दी गई हैं।

बाल चित्रकारों ने दिया अद्भुत कल्पना शीलता का परिचय

इप्टा की चित्रकला प्रतियोगिता का परिणाम हुआ घोषित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 4 फरवारी को स्थानीय गांधी स्टेडियम में इप्टा की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसका परिणाम घोषित किया गया है। इस प्रतियोगिता में चार वर्गों में लगभग 15 सौ बच्चों ने हिस्सा लिया था। इसमें प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान के साथ सांत्वना पुरस्कार दिए गए। इस प्रकार संपूर्ण प्रतियोगिता में कुल 77 बच्चों को पुरस्कृत किया गया। आशा निकुंज दिव्यांग स्कूल से पधारे सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता के वर्ग 4 में- 10वीं, 11वीं और 12वीं के बच्चों में प्रथम स्थान तेजस सिंह कक्षा 11वीं विवेकानंद विद्या निकेतन, ऐश्वर्या सिंह कक्षा 11वीं द्वितीय ओरिएंटल पब्लिक स्कूल, प्रिंस प्रजापति 12वीं तृतीय कार्मेल स्कूल रहे। वर्ग 3 में- कक्षा 7वीं ,8वीं तथा 9 वीं के बच्चे रहे ,जिनमें प्रथम स्थान पर कार्मेल स्कूल की रियांशी अग्रवाल कक्षा नवमी , द्वितीय स्थान पर होली क्रॉस स्कूल की अक्षिता डबराल कक्षा 9 वीं, तृतीय स्थान पर होली क्रॉस स्कूल के अभिज्ञान पांडेय कक्षा 9 वीं रहे। वर्ग 2 में - पहले स्थान पर नैना पटेल कक्षा छठवीं कार्मल स्कूल, दूसरे स्थान पर सूफिया सिद्दीकी कक्षा पांच वीं होली क्रॉस स्कूल, तीसरे स्थान पर आदिता पांडेय कक्षा छठ वीं होली क्रॉस स्कूल रही। इसी प्रकार वर्ग एक में- पार्थ सोनी कक्षा दूसरी होली क्रॉस स्कूल पहले स्थान, आरोही सिन्हा कक्षा तीसरी कार्मल स्कूल दूसरे स्थान, अंगद यादव कक्षा तीसरी नेहरू कॉन्वेंट तीसरे स्थान पर रहे। उपरोक्त के अतिरिक्त कल 65 बच्चों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किये गए। इप्टा के अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडेय ने कहा कि यह आयोजन पिछले 35 साल से चली आ रही है। यह अंचल की सबसे बड़ी सार्वजनिक चित्रकला प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता में बच्चों को किसी तरह का विषय नहीं दिया जाता। उन्हें कल्पना की उड़ान उडने दी जाती है। वह अपनी कल्पना के हिसाब से जिस तरह से समाज को देखते हैं, उसी तरह से चित्र बनाते हैं। भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपने नाटकों के माध्यम से जन चेतना जगाने में अग्रणी संस्था रही है।

मेडिकल बिल पास कराने के नाम पर रुपए लेने का आरोप,संघ ने की पीड़ितों का बयान दर्ज कराने की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

मेडिकल बिल पास कराने के नाम पर सहायक ग्रेड-3 के कर्मचारी आनंद डूक्षसह यादव पर रुपए लेने का आरोप छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने लगाया है। इस मामले में संघ ने संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक मेडिकल कॉलेज अस्पताल को ज्ञापन सौंपकर पीड़ित अधिकारी, कर्मचारियों का बयान दर्ज करोन की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गय है कि डॉ. केतन चौरसिया सहायक प्राध्यापक शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा संघ को बताया गया है कि उनका मेडिकल बिल साढ़े सात लाख का था। जिसे पास कराने के लिए आनंद डूक्षसह यादव सहायक ग्रेड 3 चिकित्सा प्रतिपूर्ती द्वारा 75 हजार रुपए की मांग की गई। रुपए नहीं देने पर बिल वापस कर दिया गया। दूसरा मामला सागर गुप्ता की है। जो शिक्षा विभाग के कर्मचारी हैं और गंभीर बीमारी से थे। इनके सहयोगी द्वारा बिल पास कराने के लिए आनंद सिंह यादव से संपर्क किया गया। आनंद सिंह यादव ने बिल पास कराने के लिए 10 हजार रुपए की मांग की गई। सागर गुप्ता के सहयोगी द्वारा 10 हजार रुपए भी दिया गया। तब जाकर बिल पास कराया गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष धनेश प्रताप डूक्षसह ने संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक मेडिकल कॉलेज अस्पताल को ज्ञापन सौंपकर दोनों पीड़ितों का बयान दर्ज कराने की मांग की है। वहीं मेडिकल बिल पास करने के बदले पैसा लेन-देन के मामले में छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ 10 मार्च को संभागीय बैठक आयोजित की गई है। संघ के अध्यक्ष धनेश प्रताप डूक्षसह ने बताया कि बैठक होटल हरिमंगलम में दोपहर 12 बजे से रखी गयी है। जिसमें संभाग के समस्त जिला अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष, संभागीय पदाधिकारी प्रान्तीय पदाधिकारी के साथ-साथ कार्यकारी प्रान्ताध्यक्ष रविन्द्र तिवारी बिलासपुर भाग लेंगे। बैठक में संगठन की गतिविधियों, स्वास्थ्य कर्मचारियों की लंबित मांग एवं संभाग में कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण के साथ-साथ सरगुजा जिले में घटित घटनाओं पर चर्चा कर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी।

अभियान चलाकर 9 स्थाई व 57 गिरफ्तारी वारंट किए गए तामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 05 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा अभियान ईगल 2 के तहत वर्षों से लुक छिप कर रह रहे स्थाई, गिरफ्तारी वारंटियों पर नकेल कसते हुए आरोपियों की धरपकड़ की गई। जिला मुख्यालय एवं प्रत्येक थाना स्तर पर थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लंबित स्थाई वारंटियों एवं गिरफ्तारी वारंटियों की तामिली अभियान चलाकर शीघ्र धरपकड़ कर न्यायालय में पेश करने हेतु निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में सरगुजा पुलिस द्वारा अभियान ईगल 2 के तहत वारंटियों की धर पकड़ की गई। जिले के समस्त थानों से कुल 9 स्थाई वारंट एवं 57 गिरफ्तारी वारंट कुल 66 वारंट तामिल किया गया है, सरगुजा पुलिस द्वारा वारंटियों के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

पैरामेडिकल एवं नर्सिंग पाठ्यक्रम में चयन हेतु आवेदन आमंत्रित

पैरामेडिकल संस्थान NSDC-SDMS केन्द्र क्र.- 211265

निम्न तालिका अनुसार (छ.ग.) के सभी संभाग के विभिन्न जिलों में पैरामेडिकल संस्था द्वारा संचालित पैरामेडिकल एवं नर्सिंग सहयोगी पाठ्यक्रमों में (सत्र 2024-25) के प्रवेश, नेशनल स्कील डेवलपमेंट कार्पोरेशन (मिनीस्ट्री ऑफ स्किल डेवलपमेंट भारत सरकार का उपक्रम) हेतु आवेदन आमंत्रित है।

उपलब्ध विभिन्न केन्द्रों के नाम पाठ्यक्रम एवं कुल सीटें

उपलब्ध केन्द्रों व जिलों के नाम	(D.M.L.T.) डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निशियन	(M.P.W.) पोस्ट डिप्लोमा इन मल्टीपरपस हेल्थ वर्कर	(D.O.T.) पोस्ट डिप्लोमा इन ऑपरेशन थियेटर टेक्निशियन	(EMT) पोस्ट डिप्लोमा इन इमरजेंसी मेडिकल टेक्निशियन	(X-Ray) पोस्ट डिप्लोमा इन एक्स-रे टेक्निशियन	पोस्ट डिप्लोमा इन नर्सिंग सुपरवाईजर	पोस्ट डिप्लोमा इन डायलिसिस टेक्निशियन	डिप्लोमा इन योगा एण्ड नेचरोपेथी
अम्बिकापुर	60 सीटें	60 सीटें	60 सीटें	35 सीटें	30 सीटें	30 सीटें	30 सीटें	30 सीटें
बिलासपुर	60सीटें	60 सीटें	60 सीटें	35 सीटें	90 सीटें	90 सीटें	60 सीटें	60 सीटें
रायपुर	60सीटें	60 सीटें	60 सीटें	35 सीटें	90 सीटें	90 सीटें	60 सीटें	60 सीटें
जांजगीर-चांपा	30 सीटें	30 सीटें	30 सीटें	20 सीटें	30 सीटें	30 सीटें	30 सीटें	30 सीटें
सरईपाली	30 सीटें	30 सीटें	30 सीटें	20 सीटें	30 सीटें	30 सीटें	30 सीटें	30 सीटें

आवेदन हेतु- 12 वी कक्षा में न्यूनतम प्रतिशत : अनु. जनजाति 40%, अनु.जाति हेतु 42%, अन्य पिछड़ा वर्ग 45%, सामान्य वर्ग 50% या अधिक। विकलांग सैनिक/स्व. संग्राम सेनानि वर्ग के उम्मीदवार हेतु निर्धारित सीटें आरक्षित है।

नोट :-
1. अरवेदक, निम्न दिये गये आवेदन पत्रके प्रारूप को कम्प्युटर द्वारा टाईप राकर अपना पूर्ण विवरण स्पष्ट रू से भरें। साथ ही 35 रूपये का डाक टिकट लगा हुआ 10*4 का सफेद लिफाफे में अपना स्वयं का नाम, पिता का नाम, एवं पूर्ण पता स्पष्ट लिख कर स्पीड पोस्ट द्वारा कार्यालय के निम्न पते पर भेजें।। आवेदन पोस्ट द्वारा नियत तिथि तक ही स्वीकार किया जावेगा)
2. चयनित उम्मीदवार को कॉल लेटर द्वारा काउन्सलिंग हेतु सचित जकया जाएगा।
3. विद्या कौशल के माध्यम से शैक्षणिक लोन उपलब्ध है।
4. छ.ग. के किसी भी जिले के विद्यार्थी किसी भी जिले के लिए आवेदन कर सकते है।

कार्यालय का पता :- पैरामेडिकल संस्थान NSDC/SDMS, केन्द्र क्र. 211265, नीलकंठ कॉम्पलेक्स, टेक्नोवैली कैम्पस, एम.जी. रोड अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) 497001

आवेदन पत्रडाक द्वारा भेजने की अंतिम तिथि :- 25.03.2024 तक।
आवेदन पत्रकार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि :- 30.03.2024 तक।

आवेदन पत्र भेजने का प्रारूप

प्रति,
संचालक
पैरामेडिकल संस्थान, NSDC/SDMS, केन्द्र क्र. 211265,नीलकंठ कॉम्पलेक्स, टेक्नोवैली कैम्पस, एम.जी. रोड अम्बिकापुर (छ.ग.) 497001

महोदय,
(पाठ्यक्रम का नाम) में चयन हेतु मैं अपना आवेदन प्रस्तुत कर रहा/रही है।
1. आवेदक का नाम ..... 2. पिता/पति .....
3. जन्म तिथि अंकों में ..... 4. वर्ग :- अनु.ज.जाति ☐ अनु.जनजाति ☐ पिछड़ा वर्ग ☐ सामान्य ☐
5. पत्रव्यवहार का पता- ग्राम ..... पोस्ट ..... तहसील .....
थाना ..... जिला ..... पिन कोड .....
मो. नं. 1 ..... 2. ..... व्हाट्सअप नं. .....
6. केन्द्र का नाम जहां चयन पश्चात् प्रवेश लेना चाहते है .....

क्र.	उत्तीर्ण परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण वर्ष	कुल अंक	प्राप्तांक	प्रतिशत
1					

कार्यालय संचालक, पैरामेडिकल संस्थान, NSDC-SDMS केन्द्र क्र. 211265

चार किलोमीटर पहाड़ चढ़कर सहायक खंड शिक्षा अधिकारी निरीक्षण करने पहुंचे,स्कूल शिक्षक नदारत,नोटिस जारी

- संवाददाता -
लखनपुर,05 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

लखनपुर सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज तिवारी 5 मार्च दिन मंगलवार को लखनपुर विकासखंड के सुदूर वनाचल के कुन्नी, तिरकेला, ढोढा केसरा पटकुरा सहित 4 किलोमीटर पहाड़ चढ़कर प्राथमिक शाला घटोन का औचक निरीक्षण किया। शिक्षक के नदारत मिलने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज तिवारी विकासखंड के ग्राम कुन्नी, तिरकेला , ढोढ़ा केसरा, पटकुरा के प्राथमिक और माध्यमिक शाला का निरीक्षण किया। इन स्कूलों मै व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई गई। तो वहीं 4 किलोमीटर पहाड़ चढ़कर सहायक खंड शिक्षा अधिकारी आश्रित ग्राम घटोन के प्राथमिक शाला का निरीक्षण करने पहुंचे जहां शिक्षक नदारत मिले वहीं सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज तिवारी ने स्कूल के बच्चों से मध्यान भोजन व शिक्षक के उपस्थिति को लेकर पूछताछ की जहां बच्चों के द्वारा मध्यान भोजन मिलने की बात कहते हुए कभी-कभी स्कूल में शिक्षक के आने की बात कही। घटोन प्राथमिक शाला शिक्षक के नदारत मिले पर सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज तिवारी ने कारण बताओं नोटिस जारी कर तीन दिवस के भीतर जवाब मांगा है समय सीमा के भीतर जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने पर कार्यवाही की जावेगी।

शिविर में कुल 275 लोगों ने कराया लर्निंग लाइसेंस के लिए पंजीयन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 05 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सडक़ सुरक्षा अभियान अंतर्गत आमनागरिकों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से सरगुजा पुलिस एवं परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में कुल सात दिवसीय लर्निंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर के चौथे दिन तक कुल 275 व्यक्तियों द्वारा लर्निंग लाइसेंस हेतु पीजी कॉलेज स्तिथ ग्राउंड पहुंचकर अपना पंजीयन कराया गया, शिविर मे आमनागरिकों कों यातायात के नियमो एवं उनका पालन करने की समझाईस भी दी जा रही है। लर्निंग लाइसेंस हेतु कुल सात दिवसीय शिविर का आयोजन 8 मार्च तक किया गया है। शिविर कल सुबह 10 बजे से प्रारम्भ होगा, सरगुजा पुलिस आमनागरिकों से अपील करती हैं कि अधिक से अधिक संख्या मे शिविर मे शामिल होकर आयोजन का लाभ उठाये, सरगुजा पुलिस आमनागरिकों के सेवा एवं सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

64 वाहन चालकों से वसूले गए 30 हजार समन शुल्क

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

यातायात नियमों को पालन नहीं करने वालों पर सरगुजा पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान के तहत सोमवार को 64 वाहन चालकों से 29 हजार 950 रुपए समन शुल्क वसूले गए हैं। सरगुजा पुलिस द्वारा पिछले कई दिनों से यातायात नियमों के प्रति जागरुकता लाने के लिए चालानी कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान अगर कोई यातायात नियमों का उल्लंघन करते वाहन चलाते पाए जाने पर पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है।

पीटीआई ने शहबाज सरकार को बताया फर्जी

10 मार्च को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का किया एलान

इस्लामाबाद, 05 मार्च 2024। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने जनादेश की चोरी के खिलाफ 10 मार्च को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का एलान किया। पार्टी पिछले महीने आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में धांधली के आरोप लगा रही है। पीटीआई जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी है।

सड़कों पर उतरेंगे पीटीआई कार्यकर्ता

पीटीआई के वरिष्ठ नेता असद कैसर ने पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, हम सभी राजनीतिक ताकतों को एकजुट करेंगे और कानून व संविधान के दायरे में आंदोलन शुरू करेंगे। जिओ न्यूज के मुताबिक, नेशनल असेंबली के पूर्व स्पीकर कैसर ने कहा कि वे सभी प्रांतों में सड़कों पर उतरने की योजना बना रहे हैं, ताकि उनकी मांगें पूरी हो सकें। कैसर ने कहा, हमारा आंदोलन जारी रहेगा। सभी राजनीतिक ताकतों को एक साथ लाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वे समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन करेंगे।

आम चुनाव के आए थे त्रिशंकु परिणाम

पाकिस्तान के आम चुनाव के त्रिशंकु परिणाम सामने आए थे। पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने नेशनल असेंबली की 266 सीट में से 90 से ज्यादा पर जीत हासिल की थी। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने 75 सीट पर जीत दर्ज की। वहीं, पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को 54 सीट पर जीत मिली थी। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) पार्टी ने 17 सीट पर जीत हासिल की।

शहबाज के नेतृत्व वाली सरकार फर्जी

नवाज के छोटे भाई शहबाज ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। कुछ दिनों पहले पीएमएल-एन और पीपीपी गठबंधन सरकार बनाने के लिए सीट बंटवारे पर सहमत हुए थे। कैसर ने कहा कि वे शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि वे शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली फर्जी सरकार में भरोसा नहीं करते हैं। वहीं, सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) ने कहा, ÷हमें मिले जनादेश और तीन करोड़ मतों का कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने 180 सीट की चोरी कर ली है।÷ पीटीआई समर्थित सांसद एसआईसी में शामिल हुए हैं।

भ्रष्टाचार के मामले में फंसे भारतीय मूल के पूर्व मंत्री को राहत,16 दिन और मिली बाहर रहने की अनुमति

सिंगापुर,05 मार्च 2024। सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व परिवहन मंत्री एस ईश्वरन को सोमवार को ऑस्ट्रेलिया में बीमार पड़ने के बाद 16 दिनों के लिए सिंगापुर से बाहर रहने की अनुमति दी गई है। दरअसल, ईश्वरन पर भ्रष्टाचार के दो आरोप लगे हैं। उनके वकील ने अदालत में आवेदन किया था, जिसके बाद उन्हें सिंगापुर से बाहर रहने की अनुमति दी गई।

अतिरिक्त 16 दिन सिंगापुर से बाहर रहने की अनुमति- ईश्वरन पर कई आरोप लगे हैं, जिसमें दो भ्रष्टाचार के आरोप भी शामिल हैं। उन्हें पिछले महीने अपने बेटे को यूनिवर्सिटी पहुंचाने के लिए 16 फरवरी से चार मार्च तक सिंगापुर छोड़कर ऑस्ट्रेलिया जाने की अनुमति दी गई थी।

एक स्थानीय मीडिया के अनुसार, टॉर्नी-जनरल चैंबर्स (एजीसी) के प्रवक्ता ने बताया, आज स्टेट कोर्ट्स में विशेष उल्लेख के तहत बचाव पक्ष ने ईश्वरन को देश से बाहर रहने की अनुमति 16 दिन यानी 19 मार्च तक बढ़ाने के लिए आवेदन दाखिल किया था क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया प्रवास के दौरान अस्वस्थ हो गए थे। हालांकि, बयान में ईश्वरन की बीमारी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है।

वीडियो कॉल के जरिए देना होगा अपडेट- बढ़ी हुई अवधि के नियमों के अनुसार, ईश्वरन को प्रतिदिन वीडियो कॉल के जरिए अपनी बीमारी का अपडेट देना होगा। ईश्वरन अब 19 मार्च को सिंगापुर लौटेंगे। पूर्व मंत्री को 20 मार्च तक अपना पासपोर्ट करप्ट प्रैक्टिसेस इंवेस्टिगेशन ब्यूरो को सौंपना होगा।ईश्वरन पर एक मंत्री के तौर पर कारोबारी ओंग बेंग सेंग से 200,000 सिंगापुर डॉलर से अधिक मूल्य की वस्तुएं प्राप्त करने के 24 मामलों का आरोप है।

ओंग वह शख्स हैं जो 2008 में सिंगापुर में फॉर्मूला वन लेकर आए थे। इन कीमती वस्तुओं में सिंगापुर ग्रांड प्रिक्स (जीपी), ब्रिटेन में फुटबॉल मैच और म्यूजिक के टिकट शामिल हैं। उन पर न्याय की प्रक्रिया में बाधा डालने का भी आरोप है।

देश से बाहर रहना हमेशा आसान नहीं होता,

सियोल में भारतीय प्रवासियों से बोले विदेश मंत्री

सियोल,05 मार्च 2024। विदेश मंत्री एस जयशंकर तीन दिनों के एशिया के दौरे पर हैं। इसी क्रम में वे दक्षिण कोरिया और भारत के बीच 10वीं संयुक्त आयोग की बैठक में शामिल होने के लिए सियोल पहुंचे। यहां जयशंकर ने दक्षिण कोरिया में रहने वाले भारतीय प्रवासियों से भी मुलाकात की।

सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने देश की प्रगति में उनके योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि अपने देश से बाहर रहना हमेशा आसान नहीं होता। जो लोग विदेश में रहते हैं वे जानते हैं कि उनके दिल और दिमाग का एक बड़ा हिस्सा हमेशा भारत में रहता है। विदेश मंत्री ने कहा कि आप सभी अलग-अलग तरीकों से हमारे देश की प्रगति में योगदान देते हैं।

सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि आप देख सकते हैं कि कैसे एक भारतीय भारत के तटों को छोड़कर आत्मविश्वास के साथ ऐसा कर रहा है। यह आत्मविश्वास पहले उनके पास नहीं था। लेकिन अब उन्हें यह विश्वास है कि जो भी हो उनके देश में एक ऐसी सरकार है जो उनकी देखभाल करेगी। यह एक बहुत बड़ी भावना है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने मणिपुर की स्थिति को बताया दुखद

सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि मणिपुर में जो हुआ वह दुखद है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के सभी लोग पूर्वोत्तर राज्य में सामान्य स्थिति को वापस देखना चाहते हैं। उन्होंने यह टिप्पणी एक प्रवासी के मणिपुर की स्थिति पर पूछे गए सवाल पर की।

इससे पहले विदेश मंत्री ने नेशनल डिप्लोमैटिक एकेडमी में भी अपना संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि पहले से अधिक अनिश्चित और अस्थिर दुनिया में कोरिया गणराज्य के साथ भारत की साझेदारी अधिक मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे में वैश्विक व्यवस्था को नया आकार देने में सक्रिय रूप से योगदान देने की भारत और दक्षिण कोरिया की जिम्मेदारी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि जब कुछ शक्तियों ने इस प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया था वह अब हमारे पीछे है।

इस दौरान उन्होंने आतंकवाद से मुकाबले के लिए मिल कर प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हाल के सालों में आतंकवाद और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार जैसी चुनौतियों ने हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित किया है। हमने वैश्विक व्यवस्था की बदलती धाराओं के प्रति संवेदनशील होना सीखा है। हालांकि हमारे समाधान हमारी विशेष राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल हो सकते हैं, लेकिन सामान्य लाभ के साथ मिलकर काम करना हमेशा हमारी प्राथमिकता रही है।

उन्होंने कहा कि इंडो-पैसिफिक की अवधारणा पिछले कुछ दशकों में भू-राजनीतिक बदलावों के परिणामस्वरूप उभरी है। इंडो-पैसिफिक में व्यापार, निवेश, सेवाओं, संसाधनों, लॉजिस्टिक्स और प्रौद्योगिकी के मामले में भारत की हिस्सेदारी दिन-ब-दिन बढ़ रही है।

मरियम नवाज के मुख्यमंत्री बनने पर अमेरिका ने दी प्रतिक्रिया,कहा-पाकिस्तान की राजनीति के लिए है ऐतिहासिक

वॉशिंगटन, 05 मार्च 2024। अमेरिका ने पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री के तौर पर मरियम नवाज के चयन को ऐतिहासिक बताया है। इसी के साथ पाकिस्तान की राजनीति में महिलाओं को पूरी तरह से एकीकृत करने के लिए इस्लामाबाद के साथ सहयोग करने को तत्पर है। बता दें कि मरियम पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ की बेटी है। पिछले हफ्ते उन्होंने पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

पाकिस्तान की राजनीति के लिए ऐतिहासिक पलः मैथ्यू मिलर

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, मरियम शरीफ का चयन पाकिस्तान की राजनीति के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने आगे कहा, ÷हम अमेरिका-पाकिस्तान महिला परिषद, नागरिक समाज समेत देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था में महिलाओं की पूरी तरह से भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान का सहयोग करने के लिए तत्पर हैं।÷

मैथ्यू मिलर ने कहा कि एक समावेशी मजबीत पाकिस्तान बनेगा जिससे यहां के लोग लाभांवित होंगे। दुनिया मे जहां भी नई परंपरा बनती है हमें अच्छा लगता है। उन्होंने नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

शहबाज शरीफ को लेकर नहीं की कोई टिप्पणी

मिलर ने शहबाज शरीफ को लेकर कहा, ÷मैं नए प्रधानमंत्री को लेकर कुछ नहीं बोलूंगा, लेकिन हमने पहले ही कहा है कि हम पाकिस्तान के साथ अपने दीर्घकालिक साझेदारी को महत्व देते हैं। हम एक मजबूद, समृद्ध और लोकतांत्रिक पाकिस्तान को हमेशा अमेरिका-पाकिस्तान हितों के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ भी हमारा जुड़ाव इसी पर केंद्रित रहेगा।

इस्राइल पर लेबनान से दागी गई एंटी-टैंक मिसाइल

चपेट में आकर एक भारतीय की मौत,दो अन्य घायल

यरुशलम, 05 मार्च 2024। इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष को पांच महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है। दोनों पक्षों के बीच अब तक युद्धविराम की कोशिशें लगातार नाकाम रही हैं। इस बीच इस्राइल को गाजा पट्टी में हमास के साथ-साथ लेबनान की तरफ से हिजबुल्ला के हमलों का भी सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को ऐसे ही एक हमले में भारतीय व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, दो भारतीय घायल भी हुए हैं। बताया गया है कि यह हमला लेबनान की तरफ से हुआ।

अधिकारियों के मुताबिक, लेबनान की तरफ से दागी गई एक एंटी-टैंक मिसाइल से इस्राइल के उत्तरी सीमा के पास मारगैलियॉट में एक बाग को निशाना बनाया गया। इसकी चपेट में आकर केरल के रहने वाले एक शख्स की मौत हो गई। वहीं दो और घायल केरल के ही हैं। इसके अलावा कुछ अन्य लोग भी जख्मी हुए हैं।

घायल हुए भारतीयों का इलाज जारी

इस्राइली रेस्क्यू सर्विस के प्रवक्ता मेजेन डेविड एडोम ने बताया कि यह घटना सोमवार सुबह 11 बजे गैलीली क्षेत्र के मारगैलियोट के बाग में हुई। इसमें केरल के कोल्लम के निवासी पटनिबीन मैक्सवेल की जान चली गई। उनके शव को जिव अस्पताल में रखा गया है। वहीं घायल हुए बुश जोसेफ जॉर्ज को पेता तिकवा के बेइलिंसन अस्पताल में रखा गया है। उनके चेहरे और शरीर पर कई चोटें आई हैं। उनका ऑपरेशन किया गया है और फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। वे भारत में अपने परिवार से भी बात कर सकते हैं।

घायल हुए दूसरे शख्स पॉल मेलविन को हल्की चोटें आई और उन्हें इस्राइल के साफेद शहर के जिव अस्पताल में ही रखा गया है। वह केरल के इदुक्की जिले से आते हैं।

इससे पहले इस्राइली एजेंसी ने कहा था कि इस घटना में एक विदेशी नागरिक की मौत हुई है, जबकि सात अन्य घायल हुए हैं।

इस्राइली दूतावास ने जताया दुख

इस्राइली दूतावास ने भारतीयों की मौत पर एक्स पर पोस्ट कर दुख जताया। इसमें कहा गया, हम शिया आतंकी संगठन हिजबुल्ला की तरफ से इस्राइल के मारगैलियॉट के एक बाग में किए गए कायरतापूर्ण हमले में भारतीय नागरिक की मौत और घायल होने की घटना से चकित और दुखी हैं। इस्राइल के चिकित्सा संस्थान घायलों की सेवा में तत्पर हैं। उन्हें हमारे मेडिकल स्टाफ की तरफ से हरसंभव सहायता दी जा रही है।

हिजबुल्ला हर दिन बना रहा इस्राइल को निशाना

माना जा रहा है कि लेबनान की तरफ से हुए इस हमले में ईरान समर्थित शिया संगठन हिजबुल्ला का हाथ है। गाजा में इस्राइल के युद्ध के विरोध में आठ अक्तूबर के बाद से लगभग हर दिन हिजबुल्ला रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन्स के जरिए हमला कर रहा है। इन हमलों में इस्राइली सेना को काफी नुकसान भी हुआ है।

राष्ट्रपति पद की रेस में ट्रंप से काफी पीछे निक्की हेली,सुपर ट्यूसडे को हो जाएगा किस्मत का फैसला

वॉशिंगटन, 05 मार्च 2024। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी की रेस में भारतीय मूल की निक्की हेली पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बुरी तरह पिछड़ रही हैं। 5 मार्च यानी आज रिपब्लिकन प्राइमरी का सुपर ट्यूसडे का दिन है और आज एक साथ कई राज्यों में प्राइमरी चुनाव होने हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि आज निक्की हेली की किस्मत का फैसला हो जाएगा कि वे आगे भी ट्रंप को चुनौती पेश कर पाएंगी या फिर उनका सफर यहीं पर खत्म हो जाएगा। सुपर ट्यूसडे को देखते हुए ट्रंप और हेली जमकर प्रचार में जुटे हैं और रिपब्लिकन समर्थकों को अपने पाले में करने की कोशिश कर रहे हैं।

सुपर ट्यूसडे को इन राज्यों में होगा प्राइमरी चुनाव

अमेरिका के राष्ट्रीय चुनाव पर नजर रखने वाली वेबसाइट रियल क्लियर पॉलिटिक्स का दावा है कि ट्रंप, हेली से 60 फीसदी पॉइंट से निक्की हेली से आगे हैं। कोई भी निक्की हेली को लेकर ज्यादा उम्मीद नहीं जता रहा है। कई कानूनी लड़ाइयों और आरोपों के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता रिपब्लिकन समर्थकों में सबसे ज्यादा है और ट्रंप की रैली में हजारों की संख्या में लोग आ रहे हैं। सुपर ट्यूसडे को अमेरिका के जिन राज्यों में प्राइमरी चुनाव होने हैं, उनमें कैलिफोर्निया, टेक्सास, नॉर्थ कैरोलाइना, टेनेसी, अलबामा, वर्जीनिया, ओकलाहामा, अरकंसास, मैसाच्युसेट्स, उटा, मिनेसोटा, कोलोराडो, मेन और वेर्मोन्ट शामिल हैं।

धीरे-धीरे निक्की हेली की लोकप्रियता में आ रहा उछाल

राष्ट्रपति पद की दावेदारी जीतने के लिए उम्मीदवार को 1215 डेलिगेट्स का समर्थन जरूरी है। अभी तक ट्रंप को 244 डेलिगेट्स का समर्थन मिल चुका है और निक्की हेली को सिर्फ 43 डेलिगेट्स का ही समर्थन मिला है। फ्लोरिडा के पूर्व गवर्नर को नौ डेलिगेट्स और विवेक रामास्वामी को तीन डेलिगेट्स का समर्थन मिला था, लेकिन ये दोनों ही नेता राष्ट्रपति पद की दावेदारी से बाहर हो चुके हैं और ट्रंप को समर्थन का एलान कर चुके हैं। हालांकि हेली की लोकप्रियता में धीरे-धीरे उछाल आ रहा है। हेली ने जनवरी-फरवरी में 2.8 करोड़ डॉलर का फंड हासिल किया है। साथ ही निक्की हेली ने सोमवार को कोलंबिया के प्राइमरी में ट्रंप को हरा दिया। अमेरिका के इतिहास में पहली बार है, जब किसी रिपब्लिकन महिला उम्मीदवार ने किसी प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की है।

पाकिस्तान में आर्थिक संकट के बीच IMF से तत्काल मदद की अपीलः नए प्रधानमंत्री शहबाज ने की पहल

इस्लामाबाद,05 मार्च 2024 । पाकिस्तान में आर्थिक संकट की खबरें लंबे समय से सामने आ रही हैं। बीते आठ फरवरी को कराए गए आम चुनाव के बाद देश को अब नया प्रधानमंत्री मिल चुका है। शहबाज शरीफ ने लगभग 24 दिनों के बाद प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था में व्याप्त संकट को खत्म करने की दिशा में बड़ी पहल की है। पीएम शहबाज शरीफ ने आईएमएफ से मदद मांगने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस बात का संज्ञान लिया कि देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने के लिए बेल आउट पैकेज की जरूरत है। ऐसे में आर्थिक जरूरतों पर विचार करने के लिए तत्काल वार्ता की पहल की जाए।

PM ने अधिकारियों को बातचीत की पहल करने का निर्देश दिया

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की मदद की अपील करने वाले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संबंधित मंत्रालयों और अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बेलआउट पैकेज हासिल करने के लिए आईएमएफ के साथ तत्काल बातचीत का रास्ता निकालें। उन्होंने साफ किया है कि अर्थव्यवस्था में सुधार उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आपात स्थिति से निपटने के लिए तत्काल योजना बनाएं

पाकिस्तान मुस्लिम लीग- नवाज ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शपथ लेने के कुछ ही घंटों बाद देश की अर्थव्यवस्था की समीक्षा की। वित्त सचिव ने उन्हें विस्तार से पूरी स्थिति समझाई। इसके बाद प्रधानमंत्री ने बेलआउट पैकेज के संबंध में बातचीत की योजना तत्काल बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने आपात स्थिति से निपटने के लिए तत्काल एक कार्य योजना बनाने का निर्देश भी दिया।

सरकार का आकार छोटा करेंगे प्रधानमंत्री शहबाज

संसद में 201 सांसदों का समर्थन हासिल कर सरकार बनाने वाले शहबाज शरीफ ने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के प्रयासों का वादा किया है। उन्होंने कहा कि घाटे में चल रहे सरकारी स्वामित्व वाले उद्यमों का निजीकरण किया जाएगा।

आईएमएफ से मिला 6.5 बिलियन डॉलर का बेलआउट पैकेज

पाकिस्तान में आर्थिक संकट कितना गंभीर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछली बार आईएमएफ ने 6.5 बिलियन डॉलर का बेलआउट पैकेज देने का एलान किया था। हालांकि, पाकिस्तान अभी तक पूरी रकम हासिल करने में असफल रहा है। ऐसे में शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती 1.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अंतिम किश्त (लोन) हासिल करना है।

जनवरी में 700 मिलियन डॉलर का पैकेज मिला, अमेरिका से हजारों करोड़ के कर्ज

गौरतलब है कि कंगाली की कगार पर खेड़े पाकिस्तान को इसी साल जनवरी में 700 मिलियन डॉलर से अधिक राशि की दूसरी किस्त मिली थी। यह राशि तीन बिलियन अमेरिकी डॉलर की स्टैंड-बाय व्यवस्था के तहत भेजी गई थी। इतनी बड़ी राशि जारी करने की सहमति जून, 2023 में बनी थी।

CMYK

क्या कोरबा लोकसभा में स्थानीय व साथ ही योग्य जिताऊ उम्मीदवार नहीं ढूंढ पाई भाजपा ?

आठ विधानसभाओं सहित चार जिलों में नहीं मिला भाजपा को जीतने योग्य कोई दावेदार जिसे वह बना पाती उम्मीदवार ?

कोरबा लोकसभा से एक बार भाजपा ने दिया था स्थानीय उम्मीदवार,तब जीतकर भी बेहतर साबित नहीं हुए थे भाजपा सांसद

अब प्रत्याशी होंगी बाहरी,कोरबा क्षेत्र जैसे बड़े क्षेत्रफल वाले लोकसभा क्षेत्र में पूरी तरह दौरा कर पाएंगी संभव नहीं

सरोज पाण्डेय के लिए जीत की केवल एक ही उम्मीद,प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे के भरोसे किस्मत तय होगी उनकी ?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,05 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

आखिरकार कोरबा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा ने अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया, कोरबा लोकसभा से भाजपा ने वर्तमान में राज्यसभा सांसद वहीं दुर्ग निवासी सरोज पाण्डेय का नाम तय किया है बतौर उम्मीदवार वहीं अब लोकसभा क्षेत्र से नाम का ऐलान होने का बाद यह भी तय हो गया की कोरबा लोकसभा क्षेत्र से चार जिलों सहित आठ विधानसभाओं में से एक भी योग्य एवम स्थानीय दावेदार भाजपा को बतौर उम्मीदवार पसंद नहीं आया और आखिरकार दुर्ग से आने वाली राज्यसभा सांसद को पार्टी ने टिकट देकर चुनाव लड़ने मैदान में उतार दिया। कोरबा लोकसभा जो की क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़ा लोकसभा क्षेत्र था और जहां यह माना जा रहा था की भाजपा कम से कम स्थानीय उम्मीदवार को मौका देगी जिससे क्षेत्र में उम्मीदवार पूरा दौरा भी कर सके और वहीं यदि जीत मिलती है तो वह क्षेत्र से जुड़ा रहे और पूरे क्षेत्र का समुचित विकास वह कर सके और अपनी निधि भी वह जरूरी जगहों पर प्रयोग कर सके।

भाजपा को कोरबा लोकसभा सीट से स्थानीय उम्मीदवार इसलिए भी घोषित करना था जैसा लोगों का मानना था की क्षेत्र में एक ही बार स्थानीय उम्मीदवार कोई चुनाव जीता था वहीं उसके बाद जीत दर्ज करने वाली उम्मीदवार भी स्थानीय नहीं हैं जो वर्तमान में सांसद हैं और स्थानीय नहीं होने की वजह से उनका लगाव भी समझ में आता रहा है जो आम लोगों से पूरे आठ विधानसभा के नहीं जुड़ पाया पांच सालों में वैसा ही पहले भी रहा जब वर्तमान सांसद के पति बतौर सांसद निर्वाचित हुए थे और जिनका भी लगाव क्षेत्र से कायम नही हो पाया था और जो केंद्रीय राज्यमंत्री रहते हुए भी क्षेत्र को समय नहीं दे पाते थे साथ ही वह न ही क्षेत्र का विकास ही कर पाए जिसके बाद भाजपा ने जैसे ही उस समय स्थानीय उम्मीदवार कोरबा से घोषित किया वह चुनाव जीत गए और उन्हे केवल स्थानीय होने का ही फायदा मिला था यह कहना गलत नहीं होगा।

भाजपा को कोरबा लोकसभा सीट से हमेशा के लिए अपराजित रहने कर सकते थे प्रयास

वैसे स्थानीय होकर भी भाजपा से निर्वाचित हुए सांसद कोरबा पूरे लोकसभा क्षेत्र के लिए वह काम नहीं कर सके जिससे की उन्हे बाद में कभी क्षेत्र की जनता चुनने का विचार बनाए उन्हे हमेशा क्षेत्र से गायब रहने की ही उपाधि मिली रही जबकि वह चाहते भाजपा को कोरबा लोकसभा सीट से हमेशा के लिए अपराजित रहने प्रयास कर सकते थे। खैर कोरबा लोकसभा सीट पर इस बार चौथी बार चुनाव होना है। पहली बार सीट कांग्रेस के खाते में गई थी तब चरणदास महंत सांसद निर्वाचित हुए थे दूसरी बार में उन्हे क्षेत्र से हमेशा बाहर रहने दूरी बनाए रखने साथ ही लोकसभा क्षेत्र से बाहर का उम्मीदवार मानकर लोगों ने स्थानीय उम्मीदवार पर भरोसा जताया वहीं स्थानीय उम्मीदवार जो भाजपा के थे उनके भी क्षेत्र से पलायन साथ ही दूरी कायम करने के कारण जब तीसरी बार भाजपा ने स्थानीय उम्मीदवार ज्योतिनंद दुबे को मैदान में उतारा तो उन्हे भी क्षेत्र से भाजपा सांसद की दूरी बनाए रखने का नुकसान हुआ और वह चुनाव कांग्रेस प्रत्याशी से हार गए। इस बार भी कांग्रेस से चुनाव चरणदास महंत परिवार से ही कोई लड़ेगा ऐसा माना जा रहा है वहीं वर्तमान में वह खुद चूंकि नेता प्रतिपक्ष हैं इसलिए उनकी जगह उनकी पत्नी जो वर्तमान में सांसद हैं वह या उनके पुत्र को कांग्रेस उम्मीदवार बना सकती है।

अब टक्कर भाजपा कांग्रेस में चेहरे का भी होगा और स्थानीय बाहरी मुद्दा का भी

अब टक्कर भाजपा कांग्रेस में चेहरे का भी होगा और स्थानीय बाहरी मुद्दा भी चुनाव में जरूर समाने आएगा क्योंकि यह लोकसभा हमेशा से सांसदो की अनदेखी और उनकी क्षेत्र से दूरी के लिए प्रसिद्ध चला आया है और इस बार भाजपा ने जिसे उम्मीदवार बनाया है वह न तो पहले कभी क्षेत्र में नजर आईं थीं प्रचार या लोगों से सम्पर्क में और आगे भी चुनाव यदि वह जीत जाती हैं तो वह क्षेत्र में नजर आएंगी इसकी भी पूरी गारंटी नहीं है। राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय भाजपा की कद्दावर नेता हैं और वह केंद्रीय स्तर पर प्रथम पंक्ति की नेता हैं जिनका संगठन में दबदबा है, उनका ज्यादा समय राष्ट्रीय स्तर पर ही पार्टी के कार्यक्रमों में व्यतीत होना है ऐसा मानना गलत नहीं होगा और ऐसे में वह क्षेत्र में कितना समय दे पाएंगी यह समझा जा सकता है। भाजपा से उम्मीदवार बनकर उन्हे चुनाव लडना है और चुनाव जीतने के बाद उन्हे क्षेत्र में कम ही लोग देख पाएंगे और उनका पूरे लोकसभा क्षेत्र में दौरा भी संभव नही हो सकेगा चुनाव होने तक बाद में भी यह संभव नहीं होगा यह माना जा रहा है।

भाजपा ने जब जब कोरबा लोकसभा से तय किया ब्राह्मण प्रत्याशी मिली हार,क्या इस बार मिलेगी जीत ?

भाजपा ने कोरबा लोकसभा सीट से दो दो बार ब्राह्मण उम्मीदवारों को मौका दिया है, दो दो बार कोरबा लोकसभा सीट से ब्राह्मण ही उम्मीदवार बनाए गए लेकिन दोनो ही बार भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा जबकि एकबार तो मोदी लहर में भी इस सीट से ब्राम्हण उम्मीदवार ज्योतिनंद दुबे चुनाव हार गए जबकि देशभर में कई ऐसे भी भाजपा उम्मीदवार चुनाव जीत गए जिनके जितने के आसार कम थे। वैसे भाजपा ने एक बार इस सीट से पिछड़ा वर्ग उम्मीदवार को मैदान में उतारा था उसने चुनाव में तत्कालीन केंद्रीय राज्यमंत्री को पटखनी दे डाली थी यह भी इस सीट पर देखने को मिल चुका है।

क्या मोदी लहर में चुनाव लड़ने कोरबा लोकसभा से उम्मीदवार बनी हैं या मोदी लहर में ही उन्हे जीत की उम्मीद है ?

वैसे वह मोदी लहर में चुनाव लड़ने कोरबा लोकसभा से उम्मीदवार बनी हैं मोदी लहर में ही उन्हे जीत की उम्मीद है और उसके अलावा उनके पास कोई और ऐसी उपलब्धि या आने वाले समय के लिए कोई आश्वासन नहीं है जो वह क्षेत्र के लोगों को दे सकें और जिससे लोग प्रभावित होकर उन्हे चुनने का विचार कर सकें। मोदी लहर एकमात्र उनके लिए चुनावी सफलता का आधार होगा। वैसे कोरबा लोकसभा सीट से भाजपा ने तीसरी बार ब्राह्मण उम्मीदवार को मौका दिया है। चौथी बार होने जा रहे चुनावों में से दो बार पहले भी ब्राह्मण उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतर चुके हैं भाजपा से लेकिन वह चुनाव हार गए थे वहीं जब भाजपा ने एक बार पिछड़ा वर्ग समुदाय से उम्मीदवार घोषित किया था वह चुनाव जीत गए थे। वहीं कांग्रेस से भी दो बार से सांसद चुना जा रहा परिवार पिछड़ा वर्ग समुदाय परिवार है यह भी एक विषय है जिसके बाद कहा जा सकता है की सरोज पाण्डेय के लिए मोदी लहर की जरूरत पड़नी ही पड़नी है वह आराम से चुनाव जीत रही हैं ऐसा कहना जल्दबाजी होगा।

बहुत वृहद क्षेत्रफल का है कोरबा लोकसभा क्षेत्र,बाहरी क्षेत्र के उम्मीदवार के लिए कठिन होगा प्रचार अभियान सहित जीत का लक्ष्य

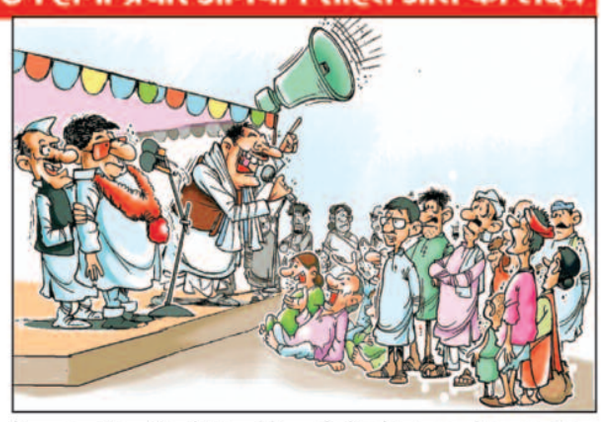

कोरबा लोकसभा सीट बड़े क्षेत्रफल का लोकसभा क्षेत्र है। इस लोकसभा सीट पर स्थानीय कोई उम्मीदवार होता उसके लिए जीत का लक्ष्य आसान होता। कोरबा लोकसभा सीट पर कम समय में हर जगह पहुंचकर प्रचार कर पाना ,अपनी प्राथमिकताएं क्षेत्र को लेकर बता पाना बाहरी क्षेत्र के किसी उम्मीदवार के लिए संभव नहीं। भाजपा उम्मीदवार क्षेत्र से बाहर की हैं और उन्हे काफी मेहनत भी करनी होगी लेकिन इस लोकसभा क्षेत्र में मेहनत के बाद भी हर जगह प्रत्याशी का पहुंच पाना संभव नहीं है। स्थानीय प्रत्याशी होने पर या जो लोग टिकट की दौड़ में थे इस सीट से उनके प्रत्याशी होने पर उन्हे कम मेहनत करनी पड़ती क्योंकि उन्होंने क्षेत्र का भ्रमण जारी रखा हुआ था और आधा उनका भ्रमण हो चुका था। अब घोषित प्रत्याशी के लिए यही एक काम कठिन होगा जो उनके जीत के लक्ष्य के बीच बड़ी चुनौती होगी। वैसे वह जीतकर भी पूरे क्षेत्र में पांच सालों तक बनी रह सकेंगी यह मानना जरा मुश्किल है क्योंकि वह भाजपा की बड़ी नेत्री हैं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर का नेता माना जाता है जिस वजह से उनकी व्यस्तता क्षेत्र की बजाए राष्ट्रीय स्तर पर ही ज्यादा नजर आएगी।

कोरबा लोकसभा सीट पर सांसद रहते हैं क्षेत्र से गायब यह हमेशा रही है शिकायत,बाहरी प्रत्याशी होने की वजह से यह भी एक विषय भाजपा प्रत्याशी के लिए होगी कठिन चुनौती

कोरबा लोकसभा सीट से आज तक जो भी सांसद निर्वाचित हुआ है वह क्षेत्र से नदारद ही रहता चला आया है ऐसी हमेशा से शिकायत चली आई है क्षेत्र की जनता की। अब चूंकि भाजपा ने इस बार क्षेत्र से बाहर का उम्मीदवार मैदान में प्रत्याशी बतौर उतारा है ऐसे में यह माना जा रहा है की भाजपा प्रत्याशी के लिए यह विषय काफी चुनौती वाला विषय रहेगा। उन्हे क्षेत्र के सभी लोगों को यह आश्वस्त करना होगा की वह अन्य सांसदो की तरह केवल चुनाव जीतने और जीतकर क्षेत्र से हमेशा के लिए पलायन करके गायब रहने वाली साबित नहीं होगी,वह क्षेत्र में हर जगह पहुंचने और एक एक ग्राम तक विकास के लिए व्यक्तिगत प्रयास करने वाली सांसद साबित होगी। तभी उनके लिए यह सीट आसान होगी। वैसे आज तक के सांसदों के निज सचिव और उनके प्रतिनिधि ही उनकी क्षेत्र में उपस्थिति को प्रमाणित करते आए हैं कार्यालयों में उनके प्रतिनिधि बतौर बैठकर जाकर उनका हाजिरी लगाते आए हैं, निर्वाचित सांसद नदारद ही रहते आए हैं यह हर दल की स्थिति में देखा गया है।

क्या पेड न्यूज में खुद को सर्वश्रेष्ठ बतलाने एवं श्रेय लेने में माहिर भाजपा जिलाध्यक्ष ने कर डाला कृष्णबिहारी बिग्रेड का गठन ?

भाजपा के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को अपना बिग्रेड बतला रहे जिलाध्यक्ष का यह कैसा उतावलापन

क्या खुद अकेले लोकसभा चुनाव जीता पाएंगे जनाधार विहीन भाजपा जिलाध्यक्ष ?

बेटे को वार्ड पंच और पत्नी को जिला पंचायत सदस्य ना जीता पाने वाले जिलाध्यक्ष मांग रहे थे लोकसभा का टिकट

संगठन में नही दिखता इनका कोई काम,सिर्फ दिखता है सोशल मीडिया पर नेताओं के साथ सेल्फी और फोटो

फोटो डालकर खुद को बड़ा और पहुंच वाला नेता बतलाने की कोशिश लेकिन हकीकत कोसो दूर

टिकट ना मिलने का दर्द भी दिखा सोशल मीडिया मे अभी तक नही दिया गया प्रत्याशी सरोज पांडेय को बधाई जिलाध्यक्ष की चाल नही आई काम

फोटोबाज जिलाध्यक्ष करते हैं अन्य नेताओं का मनोबल नीचा

कोरिया के भाजपा जिलाध्यक्ष फोटोबाजी में भी आगे हैं, कई ऐसे अवसर देखने को मिलते हैं जिसमें जिलाध्यक्ष द्वारा अन्य बड़े नेताओं के आगमन पर जिले के दूसरे पदाधिकारियों तक सूचना नही पहुंचाई जाती या कि किसी कार्यक्रम में उपेक्षित किया जाता है। बड़े नेताओं के आगमन पर जिलाध्यक्ष द्वारा खुद की फोटो खींचाकर सोशल मीडिया में वायरल कर खुद को ही सर्वेसर्वा बतलाया जाता है। ऐसा करके जिलाध्यक्ष द्वारा खुद को बड़ा नेता बतलाया जाता है और खुद को जनाधार वाला साबित किया जाता है जबकि हकीकत इससे कोसो दूर है। बाकी नेताओं को दरकिनार करना या नीचा दिखलाना जिलाध्यक्ष की आदत में शुमार है। जिलाध्यक्ष दूसरे नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने मे भी पीछे नही हैं। जिससे उनके खिलाफ आक्रोश व्याप्त है।

सोशल मीडिया में दिख रहा टिकट ना मिलने का दर्द

जिलाध्यक्ष द्वारा लोकसभा टिकट की दावेदारी की जा रही थी किंतु जनाधारविहीन होने के कारण उन्हे टिकट नही दिया गया, टिकट ना मिलने का दर्द भी जिलाध्यक्ष पर साफ दिखलाई दे रहा है, उनके सोशल मीडिया एकाउंट पर समाचार लिखे जाने तक यह भी देखा गया कि टिकट तय होने के बाद भी उनके द्वारा सरोज पांडेय को बधाई संदेश नही दिया गया जो कि यह दर्शाता है कि वे इससे नाखश हैं। सूत्र तो यह भी बतलाते हैं कि जिलाध्यक्ष द्वारा कई कार्यकर्ताओं को भी सोशल मीडिया में बधाई देने से मना कर दिया गया था। छुटभैये नेताओं के जन्मदिवस पर भी बधाई देने वाले जिलाध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय को टिकट मिलने के बाद बधाई ना देना उनकी सोच को प्रदर्शित करता है भले ही वह अब कृष्णबिहारी बिग्रेड के द्वारा स्वागत की बात कर रहे हों या साथ ही स्वगत कार्यक्रम में भी सिर्फ औपचारिकता देखी गई।

क्या खुद के बल पर लोकसभा में जीत दिला पाएंगे जिलाध्यक्ष ?

जिलाध्यक्ष में संगठन चलाने की क्षमता नही बल्कि चतुराई कुट कुट कर भरी दिखलाई देती है, हमेशा देखने में मिलता है कि वरिष्ठ नेताओं एवं मंत्री या कि अन्य पदाधिकारियों के आगमन पर वे ऐसी घेराबंदी करके रखते हैं कि कोई भी दूसरा कार्यकर्ता अपनी बात तक रख नही पाता, जिलाध्यक्ष खुद सर्वे सर्वा बनकर बाहर से आए नेताओं को बरगलाने में भी पीछे नही हैं, ऐसा करके वे दूसरे नेताओं की बुराई भी करते हैं। जिलाध्यक्ष द्वारा बनाई गई चार-पांच लोगो की टीम ही अब सभी जगह आगे आगे दिखलाई देती है बाकि नेता और कार्यकर्ता सिर्फ भीड़ का हिस्सा बन कर रह गए हैं। जिलाध्यक्ष में इतनी क्षमता भी नही दिखलाई देती कि वे कोई भी बूथ का चुनाव अपने बलबूते जीता दें फिर काई बड़ा चुनाव वे कैसे जीता पाएंगे।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,05 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा लोकसभा से भाजपा उम्मीदवार बनाई गई राज्यसभा सदस्य सरोज पांडेय का सोमवार को कोरिया जिला आगमन हुआ इसके पूर्व श्रेय लेने में माहिर भाजपा के जिलाध्यक्ष ने विज्ञप्ति जारी कर ऐसा बड़बोलापन दिखलाया कि उससे लोग चटकारे लेने लगे हैं,सरोज पांडेय के आगमन को लेकर जारी विज्ञप्ति में ऐसे वाक्यो का प्रयोग किया गया जो कि जिलाध्यक्ष का ही फजीहत करा रही है। विज्ञप्ति के अनुसार जिलाध्यक्ष की बिग्रेड स्वागत के लिए आतुर है ऐसा वाक्य उक्त विज्ञप्ति में उपयोग किया गया, ऐसे में सवाल उठता है कि क्या कोरिया जिले मे भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पार्टी के लिए काम कर रहे हैं या फिर जिलाध्यक्ष के लिए। जिलाध्यक्ष के द्वारा बिग्रेड लिखवाया जाना यह प्रतीत होता है कि सारे पदाधिकारी और कार्यकर्ता उनके बिग्रेड बनकर काम कर रहे हैं और बाकी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का कहीं कोई अस्तित्व नही है। इसके पूर्व भी लोकसभा चुनाव में टिकट खोज रहे जिलाध्यक्ष द्वारा एक पेड न्यूज लगवाया गया था जिसमें खुद को सर्वश्रेष्ठ बतलाकर बाकी दावेदारों को काफी हल्का बतलाया जा रहा था। संगठन के एक जिम्मेदार पदाधिकारी द्वारा समय समय पर ऐसा किया जाना उनके घमंड और अकड़पन को दर्शाता है बाकि पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को भी उनकी कार्यशैली राश नही आ रही है।

इसी संबंध में भाजपा कोरिया की कृष्ण बिहारी बिग्रेड अपने मेहमान के स्वागत को आतुर है और नियुक्त प्रत्य के भव्य स्वागत की तैयारी हर एक कार्यकर्ता कर चुका जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी ने बताया की साल 2018 सरोज पांडेय को राज्यसभा सांसद चुना गया था। सरोज पांडे ने कांग्रेस के प्रत्याशी लेखराम साहू को हराकर जी दर्ज की थी। सरोज पांडेय 22 जून 1968 को

भाजपा जिलाध्यक्ष की चाल नही आई काम,पेड न्यूज में खुद को बताया था सर्वश्रेष्ठ

लोकसभा चुनाव हेतु कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल द्वारा भी दावेदारी की जा रही थी लेकिन जनता एवं कार्यकर्ताओं में भी उनकी लोकप्रियता कितनी है यह जगजाहिर है। बतलाया जाता है कि अपनी पत्नी को जिला पंचायत चुनाव एवं पुत्र को अपने गृह क्षेत्र से वार्ड पंच का चुनाव भी वे नही जीता सके थे और लोकसभा की दावेदारी कर रहे थे। उनके द्वारा कुछ दिनो पहले ही एक पेड न्यूज भी लगवाया गया था जिसमें अन्य मजबूत दावेदारों को कमजोर बतलाते हुए खुद को सर्वश्रेष्ठ और सबसे मजबूत, अनुभवी बतलाया गया था हलांकि यह पेड न्यूज लोगो के लिए हंसी का पात्र बन कर रह गया। पेड न्यूज में सरोज पांडेय एवं विकास महतो जैसे दावेदारों को भी भाजपा जिलाध्यक्ष ने कमजोर बतलाकर खुद की किरकिरी कराई थी। यह सर्वविदित है कि भाजपा जिलाध्यक्ष की लोकप्रियता एकदम शून्य है, सिर्फ जिलाध्यक्ष पद पर होने के नाते लोग उन्हे सम्मान देते हैं बाकि उनके साथ हमेशा गिनती के जनाधारविहीन नेता ही दिखलाई देते हैं । पेड न्यूज छपवाकर खुद के लिए टिकट तलाश रहे जनाधार विहीन भाजपा जिलाध्यक्ष की यह चाल भी कामयाब नही हो सकी। पार्टी के लोग ही इससे खुशी का इजहार कर रहे हैं।

फिर श्रेय लेने की होड़,जिलाध्यक्ष का यह कैसा रंग ?

मैं,मैं और मैं यह आए दिन जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल के मुंह से सुना जाता है, पिछला विधानसभा चुनाव भैयालाल राजवाड़े के व्यक्तिगत कारणों एवं अंबिका सिंहदेव के विरोध के बाद मिली जीत का श्रेय जिलाध्यक्ष ने खुद ले ले लिया था। यही नही पिछले दिनों प्रकाशित पेड न्यूज पर देखा गया कि उनके द्वारा यह भी बतलाने की कोशिश हुई कि सोनहत ब्लांक मे भी उनके नेतृत्व में रेणुका सिंह को बढत मिली जबकि जगजाहिर है कि जिलाध्यक्ष ने सोनहत क्षेत्र में रूचि नही लिया था। इसके बाद भी श्रेय लेना हंसी का पात्र बनकर रह गया है। अब लोकसभा चुनाव करीब आते ही एक बार फिर उनकी सक्रियता कुछ इसी प्रकार की दिखलाई दे रही है, जिसमें बड़बोलेपन का परिचय दिया जा रहा है। यह बतलाने की कोशिश जिलाध्यक्ष द्वारा की जा रही है कि वे ही इस जिले में सर्वश्रेष्ठ हैं और उनके हिसाब से ही मतदाता भी वोट डालते हैं तब चुनाव मे जीत मिलती है जबकि स्थिति एकदम उलट है। सूत्र बतला रहे हैं कि चुनाव में आर्थिक लाभ के उद्देश्य से जिलाध्यक्ष द्वारा प्रत्याशियों एवं प्रदेश स्तर के नेताओं के सामने ऐसी भूमिका बांधी जाती है जिससे कि दूसरे नेताओं की पूछ परख खत्म हो जाती है वे सिर्फ कार्यकर्ता बतौर काम करते देखे जाते हैं। जिलाध्यक्ष द्वारा इन दिनों एक नई टीम भी बनाई गई है जिसमें कि गिनती के चार पांच ऐसे लोग सक्रिय हैं जिनका कोई जनाधार नही है वे ही सारे मंच पर नजर आ रहे हैं और बाकी अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपेक्षा की जा रही है।

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन एवं नशे में वाहन चलाने पर ड्राइविंग लाइसेंस की जाएगी निलंबित

दुर्घटना से बचने का सरल उपाय,नशा का सेवन कर वाहन न चलाए

-संवाददाता-
कोरबा,05 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर विशेष अभियान चलाकर थाना/चौकी के मुख्य मार्ग, चौक चौराहों पर पेट्रोलिंग किया गया। इसी कड़ी में दिनांक 04/03/2024 को थाना चौकी एवं यातायात के द्वारा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया, जिस पर जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी थाना/चौकी एवं यातायात के द्वारा लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही किया गया है। लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही कुल 106 लोगों पर किया गया है ढ्ढ जिसमें शराब पीकर वाहन चलाना- 68,ओवर स्पीड वाहन चलाना- 07,बिना सीट बेल्ट के वाहन चलाना- 28 , धारा 304 भादवि के तहत- 03 ।

कोरबा पुलिस के द्वारा अलग-अलग जगह पर ओवर स्पीड वाहन चलाने वालों पर कार्यवाही करते हुए 22 प्रकरणों में लगभग कुल 35000 रुपए वसूले गए साथ ही पुलिस द्वारा यह भी जानकारी दी गई है के, नशे में वाहन चलाने या यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर तीन माह के लिए लाइसेंस किया जाएगा निलंबित ढ्ढ यदि दोबारा नियमों का उल्लंघन करना पाया गया तो उक्त व्यक्ति के लाइसेंस को किया जाएगा निरस्त। सजग अभियान के तहत कोरबा पुलिस टीम द्वारा लगातार यातायात नियमों का उल्लंघन पर कार्यवाही जारी रहेगी साथ ही पुलिस टीम ने जिले वासियों से अपील की है के लोग किसी भी प्रकार के नशा पदार्थों के सेवन से बचें एवं नशा का सेवन कर वाहन न चलाए , क्योंकि जीवन अमूल्य है, इसे दुर्घटना में शामिल कर यूं ही खोने ना दे।

शिक्षा,स्वास्थ्य एवं जल जीवन मिशन के कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करें:सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत

-संवाददाता-
कोरबा,05 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सांसद श्रीमती महंत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जल जीवन मिशन के कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करें। जिले में युवा एवं ऊर्जावान अधिकारियों की टीम मौजूद है, जिला प्रशासन द्वारा शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। सांसद श्रीमती

महंत ने दूरस्थ इलाकों में पोस्टमार्टम (शव परीक्षण) केंद्र, मर्च्युरी, एंबुलेंस का संचालन करने, स्वास्थ्य, विद्युत और शिक्षा जैसी सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्र के स्कूलों में आवश्यकतानुसार शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्कूलों में बच्चों को गर्म एवं गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन देने के भी निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण हितग्राहियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन नियमित रूप से देने के निर्देश दिए। हर घर पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन के कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलेक्टर अजीत बसंत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला छत्रपाल सिंह कंवर, जिला पंचायत सदस्य गणराज सिंह कंवर, गोदावरी प्रमोद राठौर, महापौर राजकिशोर प्रसाद, जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारीगण और जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ पाली महोत्सव का होगा आयोजन

-संवाददाता-
कोरबा,05 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

जिले में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर दो दिवसीय पाली महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 07 से 08 मार्च तक किया जाएगा। जिसमें स्थानीय संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ देश की विभिन्न संस्कृतियों से परिचय कराने तथा पर्यटन की संभावनाओं के विकास तथा प्रचार-प्रसार हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग ने बताया कि उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में पाली महोत्सव के पहले दिन का आयोजन किया जाएगा। दूसरे दिन 08 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला

दिवस को ध्यान में रखते हुए महिला कलाकारों की प्रस्तुति का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बॉलीवुड सिंगर सोना महापात्रा व मोनाली ठाकुर, छत्तीसगढ़ी अभिनेत्री शालिनी विश्वकर्मा व अन्य राज्य/स्थानीय महिला कलाकारों, बच्चों द्वारा भी प्रस्तुति दी जाएगी।

पाली महोत्सव 2024 अंतर्गत आयोजन स्थल में निजी फर्म/संस्था अपना स्टॉल लगाने हेतु फर्म द्वारा 30 हजार रूपए निर्धारित शुल्क राशि पाली महोत्सव कोरबा के नाम से नगद राशि या बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से 05 फरवरी शाम 04 बजे तक कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कोरबा में जमा कर सकते हैं। स्टॉल स्थापित करने हेतु संस्था/प्रोपराईटर पंजीकृत होना आवश्यक है। स्टॉल के सामानों के परिवहन हेतु संस्था/फर्म को किसी प्रकार का देय नहीं होगा न ही किसी प्रकार की ट्रांसपोर्ट की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही फर्म/संस्था द्वारा कार्यक्रम से दो दिवस पूर्व सेटअप पूर्ण करना, थीम की संक्षिप्त जानकारी कार्यालय को उपलब्ध कराना, आवेदन के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना, नशीली पदार्थों के विक्रय पर पूर्णतया प्रतिबंध तथा निर्धारित तिथि के पूर्व आवेदन जमा करने जैसी शर्तों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

न्यायालय नजूल अधिकारी
अंबिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़

इश्तिहार
रा.प्रा.क्र. ,202402021200/अ -6/2023/24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्यामलालआ.स्व, गणेश राम निवासी गुरुद्वारा वार्ड नंबर 36 महामाया रोड अंबिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ के द्वारा कथन किया गया है कि नगर अंबिकापुर स्थित नजूल भूमि सीट नंबर 03 मोहल्ला महामाया रोड नगर अंबिकापुर स्थित नजूल भूखंड क्रमांक 1419/4 एवं 1420/6 रकवा क्रमशः 0.002 ,0.002 हेक्टर भूमि आवेदक एवं अनावेदकगण श्रीमती सावित्री देवी पत्नी स्व, कंचन दास रामलाल ,कमला देवी दोनों आ, स्व,गणेश राम एवं सिद्धार्थ करात आ. स्व.विजय करात के नाम पर दर्ज है उक्त भूमि को अनावेदक गण द्वारा पंजीकृत हक त्यागनामा दिनांक 06/02/2024 के माध्यम से आवेदक के पक्ष में कर दिया गया है। अतः पंजीकृत हक त्यागनामा दिनांक 06/02/2024 के आधार पर उक्त भूमि को अनावेदकगण का नाम विलोपित कर आवेदक का नाम दर्ज किए जाने बाबत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109 110 छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वह अपना लिखित दावा/ आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27 /03./2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20 /02 /2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अंबिकापुर

सील

नेहरू युवा केंद्र ने आयोजित की खेल प्रतियोगिता

सफल प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

नेहरू युवा केन्द्र सूरजपुर भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वाधान में जिला युवा अधिकारी पवन कुमार के मार्गदर्शन तथा नीरज साहू पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवक द्वारा ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन विकासखंड रामानुजनगर के ग्राम पंचायत पतरापाली में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सरपंच श्रीमती अंजलि सिंह तथा विशिष्ट अतिथि प्रधान पाठक बी आर हितकर, व्याख्याता हेमसाय, संतोष जायसवाल, मुनेश्वर सिंह, संजय साहू, रमेश पैकरा के आतिथ्य में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कबड्डी एवं खो खो की प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें रामानुजनगर के युवाओं ने भाग लिया। कबड्डी प्रतियोगिता में ग्रीन पैंथर विजेता एवं उपविजेता एलो यलगार तथा खो खो प्रतियोगिता में विजयी एलो यलगार एवं उपविजेता ग्रीन पैंथर रहे। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि श्रीमती अंजली सिंह द्वारा युवाओं को शुभकामनाएं दी गई तथा विजेताओं को बधाई देकर उनकी हौसला अफजाई किया गया। प्रतियोगिता पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा विजेताओं को ट्रॉफी, मेडल्स और पुरस्कार वितरण किया गया। रेफरी कृष्ण कुमार यादव ने कार्यक्रम में अपना पूरा योगदान दिया। अंत में कार्यक्रम प्रभारी योगेश साहू द्वारा सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में व्याख्याता रेनू दुबे, अनिता सिंह, छाया सिंह, परवीना, अंजली कवर, रघुनाथ जायसवाल, भृत्य सरिता सिंह, श्यामलाल पंडी, सहालो, ग्रामीण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

वन अधिकार पट्टा मांग को लेकर ग्राम ग्रामीणों ने जनपद अध्यक्ष से लगाई गुहार

-संवाददाता-
प्रतापपुर,05 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

वन अधिकार पटटा उन लोगो को देने का प्रवधान है जो कई पीढ़ियों वन भुमि पर काबिज हो अपनी जिविका चला रहे है लेकिन प्रतापपुर तहसील के ग्राम पंचायत दवनकरा के कई ग्रामीणों को पटटा नहीं मिल सका है उनहोंने पटटा दिलाने जनपद अधयक्ष जगत लाल आयाम से गुहार लगाते हुए आवेदन दिया है यहाँ के बलि राम सिह विशवनाथ अमर साय अच्छे लाल ने अधयक्ष को बताया की हम लोग ग्राम दवनकरा के रहने वाले हैं हमारे पूर्वज 70 80 वर्षो से देउरगढ़ा मे वन भुमि पर काबिज है 2021-22 वन अधिकार मान्यता पत्र के तहत अनुविभागिय अधिकारी कार्यालय प्रतापपुर में फार्म जमा किए थे लेकिन चार-पांच वर्ष जाने के भी बात आज तक हमें वन अधिकार मान्यता पत्र प्राप्त नहीं हुआ कई बार हम लोगों ने तहसील एसडीएम व कलेक्टर ऑफिस का चक्कर लगा चुके हैं आवेदन लेने के बाद जनपद पंचायत अध्यक्ष जगत लाल आयाम ने अनुविभागीय अधिकारी से बात कर उक्त आवेदन पर शीघ्र कार्रवाई करने हेतु कहा है इस दौरान नवीन जायसवाल संजीव श्रीवास्तव सुरेश केराम रामसुख साहिलय अनिल सिह अन्य उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202402020700269

विषयः- अ 27 मामले की श्रेणी राजस्व सनः-2023-2024

पचपेड़ी पहन 00012 हे
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकारः-लखनबाई हीरामनी फूलकुमारी देवमन प्रजापति
अनावेदकः- लखनबाई हीरामनी फूलकुमारी देवमन प्रजापति

इश्तिहार

आवेदक ,देवमन प्रजापति आ,स्व, लालाराम निवासी ग्राम पचपेड़ी तहसील अंबिकापुर जिला सरगुजा छ.ग के द्वारा ग्राम पचपेड़ी स्थित कूल खसरा नंबर 09 कुल रकवा 1.849 हे.,भूमि को उभयपक्ष के मध्य मे1/2 अंश में बटवारा किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसका निराकरण न्यायालय में साक्ष्य लिया जाकर गुण दोष के आधार पर करने हेतु ऑनलाइन ई नामांतरण पंजी से प्रकरण ई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेसी दिनांक 27/03./2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह इश्तिहार मेरे हस्ताक्षर एव पद मुद्रण से आज दिनांक 22/02/ 2024 को जारी किया।

तहसीलदार
अंबिकापुर
सरगुजा

सील

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202402020700261

विषयः- अ 27 मामले की श्रेणी राजस्व सनः-2023-2024

झूमरपारा प.ह.न 00027 हे
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकारः-सुधनी बेवा, निरवर
अनावेदक :-सुधनी बेवा, निरवर

इश्तिहार

आवेदक सुधनी बेवा,स्व, गिरवर निवासी ग्राम झूमरपारा तहसील अंबिकापुर जिला सरगुजा छ ग के द्वारा ग्राम झूमरपारा स्थित कूल खसरा नंबर 08 कुल रकवा 0.996 हे , एव कूल खसरा नंबर 7 कुल रकवा 0.689 हे,भूमि को उभयपक्ष के मध्य मे1/2 अंश में बटवारा किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसका निराकरण न्यायालय में साक्ष्य लिया जाकर गुण दोष के आधार पर करने हेतु ऑनलाइन ई नामांतरण पंजी से प्रकरण ई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेसी दिनांक 27/03./2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।यह इश्तिहार मेरे हस्ताक्षर एव पद मुद्रण से आज दिनांक 22/02/ 2024 को जारी किया।

तहसीलदार
अंबिकापुर
सरगुजा

सील

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202402020700262

विषयः-अ 27 मामले की श्रेणी राजस्व सनः- 2023-2024

झूमरपारा प.ह.न 00027 हे
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकारः- एकाग्रेश्वर, प्रदुमन
अनावेदक पक्षकारः-एकाग्रेश्वर, प्रदुमन

इश्तिहार

आवेदक सुधनी बेवा,स्व, गिरवर निवासी ग्राम झूमरपारा तहसील अंबिकापुर जिला सरगुजा छ ग के द्वारा ग्राम झूमरपारा स्थित कूल खसरा नंबर 18 कुल रकवा 1.556 हे ,भूमि को उभयपक्ष के मध्य मे1/2 अंश में बटवारा किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसका निराकरण न्यायालय में साक्ष्य लिया जाकर गुण दोष के आधार पर करने हेतु ऑनलाइन ई नामांतरण पंजी से प्रकरण ई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/03./2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह इश्तिहार मेरे हस्ताक्षर एव पद मुद्रण से आज दिनांक 22/02/ 2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अंबिकापुर
सरगुजा

सील

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202402020700264

विषयः-अ 27 मामले की श्रेणी राजस्व सनः-2023-2024

माझापारा पहन 00026 हे
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकारः-पुरन ,मुनेश्वर , तरिया परहीन मनसू राम रामगति श्यामपति
अनावेदक पक्षकारः- पुरन ,मुनेश्वर , तरिया परहीन मनसू राम रामगति श्यामपति

इश्तिहार

आवेदक मनसू राम आ,स्व, मानसाय व अन्य निवासी ग्राम रामपुर तहसील अंबिकापुर जिला सरगुजा छ ग के द्वारा ग्राम माझापारा स्थित कूल खसरा नंबर 5 कुल रकवा 0,260 हे ,भूमि को उभयपक्ष के मध्य मे1/2 अंश में बटवारा किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसका निराकरण न्यायालय में साक्ष्य लिया जाकर गुण दोष के आधार पर करने हेतु ऑनलाइन ई नामांतरण पंजी से प्रकरण ई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है।उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/03./2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह इश्तिहार मेरे हस्ताक्षर एव पद मुद्रण से आज दिनांक 22/02/ 2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अंबिकापुर
सरगुजा

सील

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202402020700265

विषयः-अ 27 मामले की श्रेणी राजस्व सनः-2023-2024
रामपुर प.ह.न. 00033 हे.
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकारः-पुरन राम मुनेश्वर राम पि.रामसाय सोनकेलिया पि.मान साय रामगती संमपती पुत्री मानसाय
अनावेदक पक्षकारः- पुरन राम मुनेश्वर राम पि रामसाय सोनकेलिया पि मान साय रामगती संमपती पुत्री मानसाय

इश्तिहार

आवेदक मनसू राम आ,स्व, मानसाय व अन्य निवासी ग्राम रामपुर तहसील अंबिकापुर जिला सरगुजा छ ग के द्वारा ग्राम रामपुर स्थित खसरा नंबर 174 /1 222 /1 281 / 7 रकवा क्रमशः 0.073,0.110 ,0.097 , हे ,भूमि को उभयपक्ष के मध्य मे1/2 अंश में बटवारा किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसका निराकरण न्यायालय में साक्ष्य लिया जाकर गुण दोष के आधार पर करने हेतु ऑनलाइन ई नामांतरण पंजी से प्रकरण ई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/03./2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह इश्तिहार मेरे हस्ताक्षर एव पद मुद्रण से आज दिनांक 22/02/ 2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अंबिकापुर
सरगुजा

सील

खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल के द्वारा नागरिक आपूर्ति निगम के गोदामों का किया औचक निरीक्षण

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री श्री दयालदास बघेल द्वारा गोदामों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया, जिसमें गोदामों के साथ-सफाई एवं खाद्यान्नों के गुणवत्ता पर संतुष्टि व्यक्त की गई है। मौके पर उनके द्वारा निगम के गुणवत्ता निरीक्षकों के माध्यम से चावल का नमूना प्रदाय केन्द्र सूरजपुर के नमदगिरी गोदाम क्र. 08 से निकलवाकर अवलोकन किया गया निरीक्षण के दौरान खाद्य अधिकारी श्री विजय किरण, जिला प्रबंधक दिनेश ओझा, नागरिक आपूर्ति निगम एवं एन.एल. चौधरी,नोडल अधिकारी,छ.ग. स्टेट वेयर हाउसिंग कांर्पोरेशन सूरजपुर तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

CMYK

डब्ल्यूपीएल में आरसीबी का दबदबा

» एलिस पेरी ने सिक्स लगाकर कार का कांच तोड़ा
» मंधाना को मिले 3 जीवनदान
» ऋचा घोष ने फ्लाइंग कैच लपका,मोमेंट्स

बेंगलुरु,05 मार्च 2024। विमेंस प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने वापसी कर ली है। टीम ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में लगातार 2 हार के बाद अपने पांचवें मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को हरा दिया। टीम को 23 रन से जीत मिली। आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने डब्ल्यूपीएल में अपना दूसरा अर्धशतक लगाया। उन्होंने 80 रन की पारी खेली। मंधाना के 2 कैच छूटे, वह एक बार स्टंपिंग आउट होने से भी बच गईं। आरसीबी से अर्धशतक लगाने वाली दूसरी बैटर एलिस पेरी ने सिक्स लगाकर कार का कांच तोड़ दिया।

अटापट्टू ने दिया मंधाना को जीवनदान

8वें ओवर की आखिरी बॉल पर सोफी एकलेस्टन के सामने स्मृति मंधाना ने लॉन्ग ऑफ की ओर बड़ा शॉट खेला। फील्डिंग कर रहीं चमारी अटापट्टू ने लॉन्ग-ऑफ से दौड़कर बॉल का गलत अनुमान लगाया, फिर वह पीछे हटीं और एक हाथ से कैच लेने की कोशिश की। बॉल उनके हाथों पर चिपकी नहीं और कैच छूट गया। मंधाना को 28 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला।

एलिसा हीली ने मिस की स्टंपिंग

एलिसा हीली विकेटकीपिंग के दौरान मंधाना को स्टंपिंग आउट करने से चूक गईं। 9वें ओवर की दूसरी बॉल पर चमारी अटापट्टू ने तेज फेंकी, जिसे मंधाना मिस कर गईं। मंधाना शॉट खेलने के लिए क्रीज से बाहर आईं और शॉट गलत जज किया, जिस कारण बॉल उनके पैड और बल्ले के बीच के गैप से होकर पीछे गई। स्टंप्स के पीछे खड़ी हीली गेंद को अपने पास रखने में नाकाम रहीं और गेंद चार रन के लिए चली गई। मंधाना को दूसरा जीवनदान 29 रन के स्कोर पर मिला।

एकलेस्टन ने मंधाना का कैच टपकाया

सोफी एक्लेस्टन ने स्मृति मंधाना का कैच छोड़ दिया। 16वें ओवर में मंधाना ने लॉन्ग ऑफ पर शॉट लगाया, वहां फील्डिंग कर रही एक्लेस्टन ने गेंद की लैंडिंग का गलत अनुमान लगाया। बाद में जब गेंद गिरी तो उन्होंने इसे एक हाथ से लेने की कोशिश की। बॉल शुरू में उनके दाहिने हाथ में फंसी, लेकिन बाद में निकलकर बाउंड्री के पार चली गई। मंधाना 71 रन के निजी स्कोर पर तीसरी बार आउट होने से बच गई।

एलिस पेरी ने कार का कांच तोड़ा

एलिस पेरी ने मैच के 19वें ओवर में दीप्ति शर्मा की तीसरी गेंद पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। चौथी डॉट बॉल के बाद पेरी ने शानदार शॉट लगाया। उन्होंने गेंद को आगे बढ़कर डीप मिड विकेट के ऊपर से खेला। गेंद सीधे स्पॉन्सर कार की पिछली सीट की खिड़की में जा लगी, जिससे कार का शीशा पूरी तरह से चकनाचूर हो गया।

ऋचा ने लिया डाइविंग कैच

यूपीडब्ल्यू की पारी के 8वें ओवर के दौरान आरसीबी की विकेटकीपर ऋचा घोष ने फ्लाइंग कैच लिया। सोफी डिवाइन की पांचवीं गेंद पर ग्रेस हैरिस स्कूप शॉट के लिए गईं। गेंद में गति ज्यादा नहीं होने के कारण वह ज्यादा दूर तक नहीं गई। इस दौरान ऋचा घोष अपनी बाईं ओर गईं और डाइविंग कैच लेने के लिए छलांग लगाकर कैच पूरा किया।

रविचंद्रन अश्विन अपना 100वां टेस्ट खेलने को तैयार

धर्मशाला,05 मार्च 2024। भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच पांचवा टेस्ट धर्मशाला में खेला जाना है। यह भारत के दिग्गज खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन का 100वां टेस्ट होगा।वह 100 टेस्ट खेलने वाले भारत के 12वें और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 77वें खिलाड़ी बन जाएंगे।वह भारत के लिए विकेट लेने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह खिलाड़ी 9वें स्थान पर है। अश्विन भारतीय सरजमीं पर 354 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। वह भारत की धरती पर सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनकी औसत 21.33 की रही है।अश्विन ने अनिल कुंबले को पीछे छोड़ा है, जिन्होंने भारत में खेलते हुए 63 टेस्ट में 24.88 की औसत के साथ 350 विकेट लिए थे।इस सूची में हरभजन सिंह तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने भारत में 28.76 की औसत से कुल 265 विकेट लिए हुए हैं।

अश्विन ने एशिया में 404 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। वह एशिया में 400 विकेट लेने वाले भारत के सिर्फ दूसरे और विश्व के तीसरे गेंदबाज बने हैं।एशिया में अश्विन ने 132 पारियों में ये आंकड़ा छूआ था।श्रीलंका के पूर्व दिग्गज मुथैया मुरलीधरन ने एशिया में 171 पारियों में 21.69 की औसत के साथ सर्वाधिक 619 विकेट अपने नाम किए हैं। कुंबले ने एशिया में 144 पारियों में 27.00 की औसत से 419 विकेट चटकाए हैं।टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मुरलीधरन (11) ने जीते हैं।इस मामले में अश्विन दूसरे पायदान पर हैं, उन्होंने 10 बार यह पुरस्कार अपने नाम किया है।भारत के लिए उनके बाद सबसे ज्यादा %प्लेयर ऑफ द सीरीज% का पुरस्कार संयुक्त रूप से सचिन तेंदुलकर (5) और वीरेंद्र सहवाग (5) के नाम है।इस मामले में सक्रिय खिलाड़ियों में अश्विन के आस-पास भी कोई नहीं है।अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच साल 2012 में खेला था। उन्होंने अब तक इस टीम के खिलाफ 23 मुकाबले खेले हैं, जिसकी 43 पारियों में 28.88 की औसत से 105 विकेट झटके हैं।उन्होंने इस टीम के खिलाफ 7 बार 5 विकेट हॉल और 1 बार दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिए हैं।वह इंग्लैंड के खिलाफ 100 विकेट झटकने वाले पहले भारतीय हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 114 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट अनिल कुंबले ने लिए हैं।उन्होंने 132 टेस्ट मैच में 29.65 की औसत से 619 विकेट अपने नाम किए हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 31 बार 4 विकेट हॉल और 35 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं।अश्विन भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट (507) लेने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं।उनके बाद भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट कपिल देव (434) और हरभजन सिंह (417) के नाम हैं। अश्विन टेस्ट में दूसरे सबसे तेज 500 विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 98वें टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की थी।उन्होंने इस मामले में कुंबले, शेन वॉर्न और ग्लेन मैक्ग्रा को पीछे छोड़ दिया था।कुंबले ने 105, वॉर्न ने 108 और मैक्ग्रा ने 110 टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की थी। इस मामले में शीर्ष पर मुरलीधरन हैं, जिन्होंने महज 87 टेस्ट मैचों में ही 500 विकेट का आंकड़ा छू लिया था। अश्विन ने अपना पहला टेस्ट मैच साल 2011 में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था। उन्होंने भारत के लिए अब तक 99 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसकी 187 पारियों में 23.91 की औसत से 507 विकेट अपने नाम किए हैं।उन्होंने अपने टेस्ट करियर में अब तक 35 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं। वह दोनों पारियों को मिलाकर 8 बार 10 विकेट हॉल भी ले चुके हैं।अश्विन का टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/59 विकेट का रहा है।

संक्षिप्त खेल समाचार

31 की उम्र में बी साई प्रणीत ने लिया संन्यास

नई दिल्ली,05 मार्च 2024। भारतीय बैडमिंटन स्टार बी साई प्रणीत ने महज 31 साल की उम्र में बैडमिंटन करियर पर विराम लगा दिया है। साई प्रणीत वही स्टार शटलर हैं, जिन्होंने 2019 के वर्ल्ड चैंपियनशिप सीजन में इतिहास रचा था। दरअसल, साई प्रणीत ने 2019 के वर्ल्ड चैंपियनशिप सीजन में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा था। तब वो 36 साल बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने थे। इससे पहले 1983 में प्रकाश पादुकोण ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

सुमित नागल ने दर्ज की इंडियन वेल्स मास्टर्स में पहली जीत

नई दिल्ली,05 मार्च 2024। भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल ने इंडियन वेल्स मास्टर्स में पहली बार खेलते हुए अमेरिका के वाइल्ड कार्डधारी स्टेफान डोस्तानिच को सीधे सेटों में हराया। नागल ने क्वालीफाइंग के पहले दौर में 6.2, 6.2 से जीत दर्ज की। आठवीं वरीयता प्राप्त नागल को जीतने में 68 मिनट लगे। उन्होंने आखिरी क्वालीफाइंग दौर में पहुंचकर दस रैंकिंग अंक और 14400 डॉलर पुरस्कार सुनिश्चित कर लिया। इस साल वह आस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचने वाले एक दशक में पहले भारतीय पुरूष एकल खिलाड़ी बने थे।नागल ने चेन्नई चैलेंजर्स खिताब भी जीता लेकिन पुणे और दुबई में हार गए। अब दूसरे दौर में उनका सामना कोरिया के सियोंग चान हांग से होगा।

इंडियन वेल्स में वापसी करेंगे नडाल

इंडियन वेल्स (यूएस),05 मार्च 2024। । तीन बार के चैंपियन राफेल नडाल परिबास ओपन के पहले दौर के परीक्षण मैच में कनाडा के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिक का सामना करने के लिए तैयार हैं क्योंकि साल के पहले एटीपी मास्टर्स 1000 के ड्रा ने स्पैनियार्ड के लिए एक दिलचस्प चुनौती पेश की है।

नडाल, जो इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन की अपनी आखिरी यात्रा के दौरान 2022 में फाइनल में पहुंचे हैं, सीजन के पहले सप्ताह में ब्रिस्बेन में एटीपी 250 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद, वर्ष की अपनी दूसरी उपस्थिति बनाएंगे।हिप फ्लेक्सर की चोट के कारण 11 महीने के अंतराल के बाद, 37 वर्षीय स्पैनियार्ड ने जनवरी की शुरुआत में दौरे पर वापसी की, ब्रिस्बेन में दो मैच जीते, फिर एक के दौरान उनके बाएं कूल्हे के पास की मांसपेशी में सूक्ष्म

चोट लग गई। अपने आखिरी एटीपी मैच में जॉर्डन थॉम्पसन से क्वार्टर फाइनल में हार।

22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन, रविवार को लास वेगास में नेटफ्लिक्स स्लैम में हमवतन कार्लोस अल्कराज के साथ रोमांचक मुकाबले के बाद, 11वीं बार 33 वर्षीय कनाडाई का सामना करेंगे, और दूसरी बार गुरुवार को इंडियन वेल्स में शाम का सत्र.

गुरुवार के झुकाव से नडाल की 16वीं इंडियन वेल्स उपस्थिति शुरू होगी जहां उन्होंने कोचेला वैली में तीन खिताब और दो अतिरिक्त फाइनल के साथ 59%1 का रिकॉर्ड बनाया है।

नडाल, जो वर्तमान में नंबर 652 पर हैं, ने इस सीजन् में अपने शानदार करियर को संभावित रूप से समाप्त करने की बात कही है, और यह इंडियन वेल्स में उनकी आखिरी उपस्थिति हो सकती है।पूर्व विश्व नंबर 3 राओनिक, जो नडाल की तरह एच्लीस की चोट और पैर की टूटी उंगली के कारण लगभग दो पूर्ण सीजन् (जुलाई 2021 से जून 2023 तक) नहीं खेल पाए, दक्षिणी कैलिफोर्निया में अपनी नौवीं उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

संन्यास के बाद कुछ अलग तलाश रही हूँ विकल्प

नई दिल्ली,05 मार्च 2024। डब्ल्यूपीएल की स्टार खिलाड़ी और दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग, जो मौजूदा डब्ल्यूपीएल में लगातार सफलता हासिल कर रही हैं, ने स्वीकार किया है कि वह अपनी अंतर्राष्ट्रीय सेवानिवृत्ति के बाद कुछ अलग विकल्प तलाश रही हैं, लेकिन किसी भी चीज में जल्दबाजी नहीं करेंगी। महिला क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग एक मशहूर नाम है। शायद इसलिए जब उन्होंने अचानक पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला लिया था, तो क्रिकेट जगत स्तब्ध रह गया। इसके बाद यह 31 वर्षीय खिलाड़ी केवल कुछ समय के लिए ऑस्ट्रेलिया में घरेलू प्रतियोगिताओं में दिखाई दीं।हाल के दिनों में उन्होंने भारत में अपने जीवन के अगले चरण को अपना लिया है और मौजूदा डब्ल्यूपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान बनीं। जहां वह अपनी टीम के लिए बल्लेबाजी क्रम के शीर्ष पर शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अब तक 117.46 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट के साथ 146 रन बनाए हैं।

यश राठौड़ ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर का पहला शतक लगाया

नई दिल्ली,05 मार्च 2024। विदर्भ क्रिकेट टीम और मध्य प्रदेश क्रिकेट टीम के बीच खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी 2024 के सेमीफाइनल मुकाबले में विदर्भ क्रिकेट टीम के बल्लेबाज यश राठौड़ ने शानदार शतक जड़ दिया है।यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका पहला शतक है। उन्होंने मुकाबले के चौथे दिन अपना शतक पूरा किया।राठौड़ के शतक के ही कारण विदर्भ की टीम 300 रन का आंकड़ा पार कर पाई।यश ने मैच में 200 गेंद का सामना किया और 141 रन बनाए। उनके बल्ले से 18 चौके और 2 छक्के निकले। उन्होंने 70.50 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की।उन्होंने कप्तान अक्षय वाडकर (77) 279 गेंद में 158 रन की साझेदारी निभाई। इसके अलावा उन्होंने आदित्य सरवटे के साथ 43 गेंद में 58 रन जोड़े।यश और अक्षय के अलावा विदर्भ के लिए अमन मोखाड़े ने भी 100 गेंद का सामना करते हुए 59 रन बनाए।

यश ने अपना पहला प्रथम श्रेणी क्रिकेट मैच साल 2022-23 के रणजी ट्रॉफी में ही किया था। उन्होंने अब तक 7 मुकाबले खेले हैं और 450 से ज्यादा रन बनाने में सफल रहे हैं।1 शतक के अलावा इस खिलाड़ी के नाम 3 अर्धशतक भी है। इस सीजन यश ने 5 मैच खेले हैं और 55 की उम्दा औसत के साथ 400 से ज्यादा रन बना चुके हैं।इस मुकाबले से पहले उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 93 रन था।

यश ने लिस्ट-ए क्रिकेट में अब तक 15 मैच खेले हैं। इसकी 15 पारियों में उन्होंने 37.75 की औसत से 453 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 1 शतक और 2 अर्धशतक निकले हैं।उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 117 रन रहा है। वह 3 बार अपने लिस्ट-ए करियर में नाबाद भी रहे हैं।टी-20 क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने 2 मैच की 2 पारियों में 21 की औसत से 42 रन बनाए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 105.00 की रही है। विदर्भ ने मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। उन्होंने मध्यप्रदेश को 321 रन का लक्ष्य दिया है। चौथी पारी में ये रन बनाना मध्यप्रदेश के लिए काफी मुश्किल होगा।विदर्भ की पहली पारी सिर्फ 170 रन पर खत्म हो गई थी। जवाब में मध्य प्रदेश ने 252 रन बना दिए थे।

अजय देवगन की शैतान की एडवांस बुकिंग शुरू, 8 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

अजय देवगन और आर माधवन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म शैतान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं।दर्शकों को इस हॉरर थ्रिलर फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, जो जल्द खत्म होने वाला है। यह फिल्म 8 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।ताजा खबर यह है कि शैतान की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। निर्माताओं ने एक वीडियो साझा कर खुद इस खबर की जानकारी दी है।शैतान में दक्षिण भारतीय सिनेमा का जानी-मानी अभिनेत्री ज्योतिका भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें ज्योतिका फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू होने की जानकारी देती हुई नजर आ रही हैं।इस फिल्म को जियो स्टूडियो, पैनोरमा स्टूडियो और देवगन फिल्म्स ने मिलकर बनाया है।फिल्म के निर्देशन की कमान विकास बहल ने संभाली है। इसकी कहानी भी उन्होंने ही लिखी है।पहले लिमिटेड लोकेशन पर फिल्म के लिए प्री टिकट बुकिंग खोली गई थी, लेकिन बीते दिनों ऑनलाइन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर कुछ और शो जोड़े गए। एडवांस बुकिंग में शैतान के पहले दिन के कलेक्शन की बात करें, तो सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की तकरीबन 16 हजार टिकटें बिक चुकी हैं।शैतान गुजराती थ्रिलर फिल्म वश का रीमेक है। मूवी में आर माधवन ने नेगेटिव रोल प्ले किया है, जो अजय देवगन की बेटी बनी जानकी बोदीवाला को अपने वश में कर लेता है। इसके जरिये वह जाह्नवी (जानकी बोदीवाला) से उसके परिवार पर कई जुल्म ढहाता है। इस शैतान की शैतानियों शक्तियों का असर पिता बने अजय देवगन कैसे खत्म करते हैं, फिल्म में ये दिखाया गया है।

निकिता रावल कमरिया में अपने अद्वितीय फ्यूजन लुक से मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार

प्रसिद्ध अभिनेत्री निकिता रावल बहुप्रतीक्षित गीत कमरिया में अपने अद्वितीय फ्यूजन लुक से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। राजस्थानी संस्कृति के समृद्ध सौंदर्यशास्त्र को अरब प्रभाव के विदेशी आकर्षण के साथ जोड़ते हुए गीत में रावल की उपस्थिति किसी अन्य की तरह एक दृश्य मनोरंजन का वादा करती है।रावल की शानदार पोशाक और जटिल रूप से तैयार किए गए आभूषण राजस्थानी और अरबी दोनों परंपराओं के तत्वों को सहजता से मिश्रित करते हैं, एक अद्वितीय और मनोरम सौंदर्य का निर्माण करते हैं जो गाने की थीम से पूरी तरह मेल खाता है। उनका चित्रण रेगिस्तानी परिदृश्यों का सार, लालित्य, अनुग्रह और कालातीत सुंदरता का प्रतीक है।अपनी अद्वितीय शैली और करिश्मा के साथ, निकिता रावल कमरिया में अपने असाधारण प्रदर्शन के साथ दुनिया भर के दर्शकों पर एक अमिट छाप छोडने् के लिए तैयार हैं।मैं कमरिया के लिए अपने लुक में राजस्थानी और अरब संस्कृतियों के जीवंत सार को एक साथ लाने के लिए रोमांचित हूं। यह एक अनोखा मिश्रण है जो वास्तव में विविधता की सुंदरता का जश्न मनाता है और गाने में एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला आकर्षण जोड़ता है निकिता कहती हैं।

एक्शन से भरपूर योद्धा का बिहाइंड द सीन वीडियो आया सामने

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म योद्धा' को लेकर खबरों में हैं। पुष्कर ओझा और सागर अंब्रे के निर्देशन में बनी एक्शन थ्रिलर फिल्म योद्धा' मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। ये फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इस फिल्म से एक बिहाइंड द सीन वीडियो शेयर किया है। वीडियो में सिद्धार्थ एक्शन करते हुए नजर आ रहें हैं। साथ ही उन्होंने योद्धा में अपने किरदार की तैयारी पर भी चर्चा की है।आपको बता दें कि एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर अपनी आने वाली फिल्म योद्धा का एक बीटीएस वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सिद्धार्थ ने अपने किरदार के लिए की गई कठोर तैयारी को दिखाया है, जिसमें कई मुश्किल स्टंट करते नजर आ रहें हैं। योद्धा के बिहाइंड द सीन वीडियो में सिद्धार्थ ने यह बताया है उन्होंने अपने किरदार में फिट होने के लिए अपना वजन भी कम किया है।इस वीडियो में एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म में अपनी भूमिका के लिए अनूठी तैयारी से गुजरने के बारे में बताया है। सिद्धार्थ ने इस वीडियो को शेयर करने के साथ कैप्शन भी दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा, लाइट्स, कैमरा और बिहाइंड द एक्शन। अरुण कात्याल और बाकी सब योद्धा' बनना।

कोल घोटाला मामले का मुद्दा गरमाया

» चिंतामणी महराज बताएं कोल स्कैम में 5 लाख लेने का आरोप सही है या गलतः कांग्रेस

» कमल छाप का ताबीज पहनकर वे ईमानदार हो गये

रायपुर,05 मार्च 2024(ए)। कांग्रेस ने चिंतामणी महाराज के कोल घोटाले में नाम को लेकर सीएम साय से 2 सवाल किया है। साथ ही कहा कि चिंतामणी महाराज प्रदेश की जनता को बताएं कि ईडी ने तथाकथित कोल स्कैम में 5 लाख लेने का जो गंभीर आरोप लगा वह आरोप सही या गलत?

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बताएं कि ईडी के पत्र में चिंतामणी महराज के खिलाफ एसीबी को एफआईआर करने को लिखा है फिर किसके दबाव में एसीबी ने चिंतामणी महाराज का नाम हटाया?

छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार में हुए कोल घोटाले का जिन्न एक बार फिर से सामने आया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है की तथाकथित कोल घोटाले में ईडी ने तत्कालीन कांग्रेस के विधायक चिंतामणि महाराज का नाम शामिल किया था। लेकिन अभी एसीबी की एफआईआर में इनका नाम हटा दिया गया है। कांग्रेस इसे भाजपा में जाने पर सभी पाप धोने की बात कह रही है। तो वहीं चिंतामणि महाराज ने कहा मुझे इसकी जानकारी नहीं । कांग्रेस केवल आरोप लगाते रहेगी। छत्तीसगढ़ में कोल घोटाले मामले को लेकर आधा दर्जन से ज्यादा अधिकारी और नेता जेल में है। पिछले दिनों ईडी की पत्र पर एसीबी ने एफआईआर की। अब इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस चिंतामणि महाराज पर आरोप लगा रही है। कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार और नेताओं को बदनाम करने के उद्देश्य से कांग्रेस की सरकार के दौरान ईडी ने अनेक कार्यवाहियां की था।

ईडी ने तथाकथित कोल घोटाला को लेकर तीन सालों तक जांच किया और जब कुछ हासिल नहीं कर पाई तो ईडी ने राज्य के एंटी करप्शन ब्यूरो को 11 जनवरी 2024 को पत्र लिखकर इस मामले में एफआईआर दर्ज करने को कहा। इस पत्र में ईडी ने इस तथाकथित कोल घोटाले को लेकर विस्तृत ब्यौरा भी दिया तथा इसमें कुछ लोगों के नाम भी सौंपा जिनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज किये जाने को कहा गया था।

सुशील आनंद ने कहा इस पत्र में ईडी ने जिन लोगों के नाम सौपा है, उनके सामने तथाकथित रूप से कितनी राशि प्राप्त हुई उसका उल्लेख भी किया है। इसी में 10वें क्रम पर ईडी ने तत्कालीन कांग्रेस के सामरी से विधायक चिंतामणी महाराज के नाम का उल्लेख करते हुये 5 लाख रू. लिये जाने का दावा किया है। ईडी ने उनके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज करने को लिखा है। सुशील आनंद ने कहा चिंतामणी महराज जो कांग्रेस के विधायक थे अब भाजपा में शामिल होकर भाजपा से सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार है। जैसे ही मोदी के वाशिंग मशीन में डाले गये उनके सारे पाप धुल गये। कमल छाप का ताबीज पहनकर वे ईमानदार हो गये। कांग्रेस ने कहा एक पत्र के आधार पर जब 35 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाता है तो फिर चिंतामणी महराज का नाम एफआईआर से बाहर क्यों किया गया, इसीलिये कि वे भाजपा में शामिल हो गये है। वहीं पूरे मामले पर भाजपा का कहना है कि कांग्रेस सरकार ने खूब घोटाले किए हैं।

एक बात तो स्पष्ट हो गया है जिन विपक्षी नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं उनके केस बंद होने के बाद भाजपा में शामिल होने की खबरें देखने और सुनने को मिलती है। ऐसे में अब देखना होगा कि चिंतामणि महाराज जब कांग्रेस में थे तब उनके खिलाफ हो रही जांच पूरी तरह से बंद होगी या नहीं? वहीं क्या कांग्रेस इस मुद्दे को भुना पाएगी?

साय का कैबिनेट बैठक आज

करीब आधा दर्जन प्रस्तावों पर मुहर लगेगी

रायपुर,05 मार्च 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ सरकार की कैबिनेट की कल (बुधवार) को बैठक होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में यह बैठक आज शाम को मंत्रालय में होगी। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना से पहले प्रस्तावित इस बैठक में सरकार कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकती है। विष्णुदेव साय कैबिनेट की बैठक आज यानि 6 मार्च को होगी। विधानसभा सत्र की वजह से करीब एक महीने से कैबिनेट की बैठक नहीं हुई थी। बुधवार को कैबिनेट की बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगेगी। जानकारी के मुताबिक 13 मार्च को धान की अंतर राशि के भुगतान के ऐलान और महतारी वंदन योजना की राशि के भुगतान को लेकर कैबिनेट की हरी झंडी मिलेगी।लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहित के पहले की ये आखिरी कैबिनेट होगी, लिहाजा कुछ बड़े फैसले किये जा सकते हैं। बैठक में करीब आधा दर्जन प्रस्तावों पर मुहर लगेगी। ये बैठक कल शाम 5 बजे में मंत्रालय में होगी।सूत्रों के अनुसार कैबिनेट की बैठक में महतारी वंदन और धान किसानों को बोनस वितरण पर चर्चा होगी।

बता दें कि महतारी वंदन योजना का शुभारंभ 7 मार्च को करने की तैयारी है। इसके लिए बालोद में कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी आ सकते हैं। अफसरों के अनुसार मोदी का दौरा कार्यक्रम नहीं बन पाया तो वे वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल होंगे।वहीं, प्रदेश के करीब 24 लाख किसानों को 12 मार्च को धान बोनस की राशि वितरण की तैयारी है।

संक्षिप्त खबर

रायपुर में पुलिस कर्मी ने लिया चौंकाने वाला फैसला

रायपुर,05 मार्च 2024 (ए)। देश प्रदेश के बड़े नेता,अफसरों की तरह रायपुर जिला पुलिस के एक जवान ने इस्तीफा दिया है। 2010 से कार्यरत सिपाही कुलदीप शर्मा ने व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा देना बताया है। लेकिन चर्चा में उसका कहना है कि भाजपा प्रवेश कर जनसेवा करने के लिए इस्तीफा दिया है।

छत्तीसगढ़ की 7 सीटों पर कांग्रेस के नाम तय

रायपुर,05 मार्च 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपने अधिकतर प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए हैं। चुनाव लड़ने पर प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज की सहमति के बाद माना जा रहा है कि बस्तर संसदीय क्षेत्र से उतरेंगे। कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी ने कोरबा से ज्योत्सना महंत, जांजगीर-चांपा से डॉ. शिव डहरिया, सरगुजा से शशि सिंह, बिलासपुर से विष्णु यादव, महासमुंद से पूर्व विधायक धनेंद्र साहू के नाम पर सहमति बनने की खबर है। 11 सीटों में 7 सीटों पर नाम तय बताए जा रहे हैं। रायपुर सहित अन्य चार सीटों पर दो से तीन नामों का पैनल रखा गया है।

सूत्रों के अनुसार, नई दिल्ली में कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की अंतिम बैठक में पीसीसी के दावेदारों के नामों को शार्ट लिस्टिंग करने के बाद कई नामों को हरी झंडी दे दी गई। सीईसी के बैठक में इन नामों पर अंतिम मुहर लगने के बाद 8 मार्च तक नाम घोषित किए जाने की संभावना है। बैठक में स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष रजनी पाटिल, प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व सीएम भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज बैठक में मौजूद थे।

संभावित नाम

बिलासपुर : कांग्रेस नेता विष्णु यादव
महासमुंद : पूर्व विधायक धनेंद्र साहू
जांजगीर : पूर्व मंत्री डॉ. शिव डहरिया
कोरबा : सांसद ज्योत्सना महंत
बस्तर : पीसीसी अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज
सरगुजा : शशि सिंह
रायगढ़ : विधायक लालजीत सिंह

यहां बना पैनल

राजनांदगांव : पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व विधायक छन्नी साहू
दुर्ग पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, जिला सहकारी बैंक दुर्ग के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र साहू
रायपुर : पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे
कांकेर : बीरेश ठाकुर, पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया

बर्खास्त होमगार्ड्स को हाईकोर्ट ने किया बहाल

संगठन बनाने के आधार पर नहीं हटा सकते नौकरी से

बिलासपुर,05 मार्च 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा है कि अपने हितों के लिए संगठन बनाकर गतिविधि करने के आधार पर होमगार्ड्स को बर्खास्त नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने याचिका दायर करने वाले 6 होमगार्ड्स को राहत देते हुए उन्हें सेवा में बहाल करने तथा लंबित देयकों का भुगतान करने का आदेश दिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक चित्रसेन, जगजीवन त्रिलोचन सहित 4 अन्य लोग बतौर होमगार्ड नियुक्त थे। इन सभी ने वर्ष 2011 में अपने हितों के लिए होमगार्ड सैनिक एवं परिवार कल्याण संघ बनाया था। अधिकारियों ने मार्च 2011 में इन्हें निलंबित किया और शो काज नोटिस दिया। इसके बाद अप्रैल 2011 में सभी को बर्खास्त कर दिया गया। इस कार्रवाई के खिलाफ पीड़ितों ने एडवोकेट शिशिर दीक्षित के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में कहा कि सिर्फ एक संगठन बनाने के कारण इनको नौकरी से नहीं हटाया जा सकता। संगठन बनाना संवैधानिक अधिकार

जस्टिस गौतम भादुड़ी की सिंगल बेंच ने सुनवाई के बाद माना कि एसोसियेशन तैयार करना याचिकाकर्ताओं का संवैधानिक अधिकार है। इसके आधार पर कर्मचारियों को निलंबित या बर्खास्त नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने सेवा से हटाने को दिए गए आदेश को निरस्त कर दिया और निर्देश दिया कि याचिकर्ताओं को वापस बहाल करते हुए उन्हें सभी लंबित देयक दिए जाएं ।

सीएम साय ने 850 श्रद्धालुओं को किया अयोध्या रवाना

रायपुर,05 मार्च 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय श्रीरामलला दर्शन योजना के लिए छत्तीसगढ़ से अयोध्या तक चलाई जा रही विशेष ट्रेन को आज हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । इस मौके पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री साय श्री रामलला दर्शन के लिए जाने वाली विशेष ट्रेन को आज सुबह रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर 07 से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । इस विशेष ट्रेन में रायपुर संभाग के सभी 05 जिलों के 850 श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम का दर्शन कराया जाएगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अयोध्या जाने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाया। आज राज्य के 850 श्रद्धालु रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएंगे । इन्हें सरकार की श्रीराम लला दर्शन योजना के तहत ये यात्रा कराई जा रही है । इसके लिए रेलवे और सरकार के बीच एमओयू हुआ है। इस मौके पर पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल भी मौजूद हैं । इस यात्रा में हर जिले से 40 यात्री अयोध्या जा रहे हैं। प्रत्येक जिले से 40 यात्रियों पर एक अनुरक्षक भी भेजा जाएगा। इस मौके पर सीएम साय ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इससे बड़ा आत्मिक सुख मेरे लिए और क्या हो सकता है. मेरा पूरा जीवन प्रभु श्रीराम की सेवा के लिए समर्पित है । प्रदेश के रामभक्त कर रहे हैं प्रभु श्रीरामलला के दिव्य दर्शन, पूरा हो रहा है हमारी भाजपा सरकार का संकल्प. ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि मोदी की गारंटी में वादा था रामलला दर्शन योजना लागू करेंगे । रामलला दर्शन योजना का शुभारंभ आज से हुआ पहली ट्रेन को आज रवाना किया है। रायपुर संभाग के 850 राम भक्त अयोध्या के लिए रवाना हुए हैं।

बिलासपुर और अंबिकापुर से भी भेजेंगे ट्रेनें- सीएम साय

वे सिर्फ अयोध्या ही नहीं जाएंगे, बल्कि अन्य जगहों के भी दर्शन करेंगे. इसके बाद बिलासपुर और अंबिकापुर से भी ट्रेनों को रवाना किया जाएगा. अब राम भक्त लगातार अयोध्या जाएंगे. हम लोग मंत्रिमंडल के साथ बहुत जल्द अयोध्या जाएंगे ।

छत्तीसगढ़ ई-गवर्नेन्स में देश का मॉडल राज्य बनेगा

» मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने किया ऐलान

» आधुनिक सॉफ्टवेयर इत्यादि की व्यवस्था के लिए 266 करोड़ का प्रावधान

रायपुर,05 मार्च 2024 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा है कि छत्तीसगढ़ ई-गवर्नेंस की दृष्टि से माडल राज्य बने। उनकी मंशा के अनूरूप योजनाओं की ई-मानीटरिंग के साथ-साथ पारदर्शी प्रशासन और आईटी आधारित कर प्रणाली विकसित की जाएगी। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छत्तीसगढ़ सेंटर फॉर स्मार्ट गवर्नेन्स की स्थापना का उल्लेख बजट में किया गया है। बजट में सभी विभागों में आई.टी. के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक उपकरण एवं आधुनिक सॉफ्टवेयर इत्यादि की व्यवस्था के लिए 266 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

छत्तीसगढ़ की नयी सरकार ने सुशासन का संकल्प लिया है। सुशासन यानि लोगों की बेहतरी के लिए प्रशासन में पारदर्शिता, कार्यों का समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा होना, अच्छा प्रबंधन, जनभागीदारी, जवाबदेही, कुशलता और कानून का पालन जैसी बातें शामिल हैं। यह किसी भी जनकल्याणकारी राज्य की प्रथम आवश्यकता होती है। नयी सरकार सुशासन की स्थापना के लिए आई.टी. को प्रमुख टूल के रूप में अपनाएगी। इसकी बानगी वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में देखी जा सकती है।

प्रदेश के 168 नगरीय निकायों में ई.गवर्नेन्स के तहत बजट एण्ड अकाउंटिंग मॉड्यूल स्थापित किया जायेगा। 47 नगरीय निकायों में प्रॉपर्टी सर्वे किये जाने हेतु जी आधारित सॉफ्टवेयर निर्माण किया जायेगा। इससे प्रॉपर्टी टैक्स की प्राप्तियों में पारदर्शिता आयेगी। इन कार्यो के लिए 30 करोड़ का प्रावधान किया गया है। विभागवार महत्वपूर्ण अभिलेखों को डिजिटल रूप में तैयार करके छत्तीसगढ़ वेब अभिलेखागार में जन.सामान्य को सुविधा के लिए उपलब्ध कराया जायेगा, इसके लिए बजट में 03 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

रायपुर रेलवे स्टेशन में जीएसटी की टीम का छापा

रायपुर,05 मार्च 2024 (ए)। चंद दिनों पहले ही रायपुर रेलवे स्टेशन में पार्सल से जुड़े दो एजेंट पर कार्रवाई की थी। कई बॉक्स जब्त कर जुर्माने की कार्रवाई की थी। अब खबर मिल रही है की आज जीएसटी की टीम ने रायपुर रेलवे स्टेशन में छापा मारा है। सूत्रों के मुताबिक टीम ने पार्सल से जुड़े कई बॉक्स की जांच शुरू की है। अभी तक ये स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस बॉक्स में क्या है। हालांकि बॉक्स की जांच और सामान के बिल की जांच टीम कर रही है।वहीँ यह भी कयास लगाया जा रहा है कि जीएसटी की टीम जब पार्सल ऑफिस में पहुंची ही है तो श्री राधास्वामी कारगो की भी जीएसटी चोरी की जांच करें। बता दें कि पार्सल ऑफिस में मौजूद ये कारगो कंपनी रेलवे से बुकिंग कर ग्राहक को देने वाली रसीद में जीएसटी में गोलमाल कर रहा है और अनाधिकृत तरीके से गाड़ियों की बुकिंग भी। हालांकि रेलवे के कमर्शियल विभाग ने बिना जुर्माना लगाए गाड़ियों की बुकिंग पर तो रोक लगा दी, लेकिन जीएसटी का खेल यहां अब भी जारी है, जिसका खुलासा टीम की जांच के बाद स्पष्ट होगा।

प्रशासन द्वारा एसीबी और ईओडब्ल्यू में की गई बड़ी प्रशासनिक सर्जरी

डीआईजी से लेकर टीआई स्तर के अधिकारियों का तबादला

रायपुर,05 मार्च 2024 (ए)। राज्य शासन ने एसीबी और ईओडब्ल्यू में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की है. दो आईपीएस, राज्य पुलिस सेवा अधिकारियों और इंस्पेक्टर्स को इधर से उधर किया है. इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है. जारी आदेश के मुताबिक, भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी गोवर्धन राम और टीआर कोशिमा, राज्य पुलिस सेवा के 8 अधिकारियों और 15 पुलिस निरीक्षकों की एंटी करप्शन ब्यूरो एवं राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापना की गई है.

चित्रकोट महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

जगदलपुर,05 मार्च 2024 (ए)। चित्रकोट महोत्सव 2024 का उद्घाटन समारोह आज आयोजित किया गया है जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए है। इस दौरान वे 340 जोड़ों के सामूहिक विवाह में शामिल होंगे और उन्हें आशीर्वाद देंगे। चित्रकोट महोत्सव तीन दिन तक चलने वाले महोत्सव का समारोह 7 तारीख होगा। इस बीच हर दिन महोत्सव में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

कार्यक्रमों में बस्तर की सांस्कृतिक छठा के अलावा बॉलीवुड कलाकारों की प्रस्तुति भी देखने को मिलेगी। चित्रकोट महोत्सव कार्यक्रम में वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद दीपक बैज, विधायक जगदलपुर किरण देव, विधायक बस्तर लखेश्वर बघेल, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप आदि जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे

कांग्रेस ने सुरक्षा की मांग को लेकर लिखा पत्र

रायपुर,05 मार्च 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव से पूर्व प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन से सुरक्षा हटा दी गई है। अचानक ही कांग्रेस भवन में तैनात सिक्योरिटी के शासन द्वारा हटा लिए जाने के बाद कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है और सुरक्षा की मांग को लेकर पत्र भी लिखा है। पूरी सुरक्षा कंपनी जो सालों से तैनात थी उसे हटाने के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेदू ने पुलिस प्रशासन को मांग पत्र लिखा है।पीसीसी के महामंत्री ने पत्र में साफ लिखा है कि वर्षों से कांग्रेस भवन की सुरक्षा में एक कंपनी तैनात थी। अभी लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र वरिष्ठ और राष्ट्रीय स्टार के नेताओं का आना-जाना रहेगा। ऐसे में पार्टी इकाई कार्यालय की सुरक्षा तैनाती हटाने से व्यावहारिक दिक्कतों के साथ ही सुरक्षा भी चिंताजनक हो गई है। श्री गेदू ने पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज से पत्रव्यवहार भी किया है।

कांग्रेस आलाकमान से लखमा की गुहार

» बेटे हरीश को बस्तर से दें टिकिट

» कांग्रेस प्रचार, फंड और प्रत्याशियों के नामों की घोषणा में पीछे, लेकिन पार्टी में लोकसभा टिकिट को लेकर दिग्गजों में जोर-आजमाइश तेज

रायपुर,05 मार्च 2024 (ए)। सोमवार रात को हुई कांग्रेस नेताओं की बैठक में आलाकमान से पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने बेटे हरीश को बस्तर लोकसभा से टिकिट देने की गुहार लगाई है। बस्तर से मौजूदा सांसद दीपक बैज की सीट से पूर्व मंत्री कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा के नाम का हल्ला है। बस्तर से इस बार लखमा परिवार से किसी एक को टिकट मिल सकती है। पार्टी सूत्रों की मानें तो सांसद बैज ने भी इस बार बस्तर से चुनाव लड़ने के लिए कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाए हैं। ऐसे में फ्रेश चेहरा और युवा हरीश लखमा की उम्मीदवारी प्रबल है।

दीपक बैज बस्तर से सांसद हैं और कवासी लखमा के पुत्र हरीश पंचायत अध्यक्ष हैं। कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा के साथ ही विक्रम मंडावी, संतराम नेताम, मिथलेश स्वर्णकार, राजीव शर्मा, राजमन बेंजाम समेत कुछ जिला अध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य भी दिल्ली पहुंचे हैं। इन्होंने हाईकमान से कवासी या उनके बेटे हरीश को टिकट देने की मांग की है। सभी लखमा समर्थक और दीपक बैज मुखालफत करते हुए लखमा पुत्र की तरफदारी करने पहुंचे हैं। कवासी के बेटे हरीश का कहना है कि 'हम चाहते हैं कि पार्टी हमें मौका दे। हमें टिकट दिया जाए। इसी मांग को लेकर हम दिल्ली आए थे'। दरअसल, 4 मार्च यानी सोमवार रात को दिल्ली में प्रत्याशियों पर मंथन को लेकर बैठक रखी गई थी। इस बैठक में कई नामों को लेकर चर्चा हुई है। इसी के बाद छत्तीसगढ़ से गए नेताओं ने हाईकमान से मिलकर अपनी बात रखी और बैज को टिकट नहीं दिए जाने की बात कही।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)